रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के तीन दिवसीय दौरे के अंतिम दिन आयुष के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं सरकार ने इस सत्र के लिए कई स्टार्टअप भी प्रारंभ किए।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 127 दिनांक: 21-04-2022 गुरूवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

ब्रिटेन के पीएम बोरिस जानसन गुरुवार की सुबह भारत की दो दिवसीय यात्रा पर पहुंच रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि उनका दौरा द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती पर होगा। वह रूस को लेकर भारत पर नीतिगत दबाव बनाने की कोशिश नहीं करेंगे।

देश में एक से ऊपर हुई कोरोना संक्रमण की आर वैल्यू, विशेषज्ञों ने कहा- सतर्कता बढ़ाने की जरूरत

नई दिल्ली। देश में तीन महीने में पहली बार आर वैल्यू एक के ऊपर पहुंच गई है। आर वैल्यू के एक से ऊपर होने का मतलब है कि संक्रमण का प्रसार तेजी से हो रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इससे डरने की नहीं, सतर्क रहने की जरूरत है। चेन्नई के गणितीय विज्ञान संस्थान (आइएमएस) के शोधकर्ता सीताभ्र सिन्हा द्वारा के मुताबिक पिछले कुछ हफ्तों से देश में आर वैल्यू में लगातार वृद्धि हो रही है।

बीते हफ्ते यानी 12-18 अप्रैल के बीच यह 1.07 प्रतिशत थी। इससे पहले के हफ्ते में यह 0.93 थी। जनवरी में आर वैल्यू एक से ज्यादा दर्ज की गई थी। 16-22 जनवरी के हफ्ते में यह 1.28 थी। ईमेल के जरिये प्रेट्र के साथ बातचीत में सिन्हा ने कहा कि आर वैल्यू में वृद्धि सिर्फ दिल्ली की वजह से नहीं हो रही है, बल्कि हरियाणा और उत्तर प्रदेश में बढ़ते मामले भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। महामारी की शुरुआत से ही सिन्हा आर वैल्यू पर नजर रख रहे हैं। दिल्ली और उत्तर प्रदेश में आर वैल्यू दो से अधिक सिन्हा ने बताया कि दिल्ली और उत्तर प्रदेश के साथ ही कर्नाटक में केस बढ़ रहे हैं। दिल्ली और उत्तर प्रदेश में आर वैल्यू दो से अधिक है। महानगरों की बात करें तो मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु में भी आर वैल्यू एक से अधिक है। कोलकाता के आंकड़े नहीं मिल सके हैं। 18 अप्रैल को खत्म हुए हफ्ते में अनुमानित आर वैल्यू दिल्ली के लिए 2.12, उत्तर प्रदेश के लिए 2.12, कर्नाटक के लिए 1.04, हरियाणा के लिए 1.70, मुंबई के लिए 1.13, चेन्नई के लिए 1.18 और बेंगलुरु के लिए 1.04 थी। दूसरी और तीसरी लहर से पहले भी एक से अधिक थी आर वैल्यू पिछले साल के आखिर में ओमिक्रोन के चलते जब तीसरी लहर ने दस्तक दी थी तब आर वैल्यू 2.98 (30 दिसंबर, 2021 से 10 जनवरी, 2022) दर्ज की गई थी। दूसरी लहर से ठीक पहले भी आर वैल्यू 1.08 दर्ज की गई थी।

आर वैल्यू संक्रमण की स्थिति को दर्शाती है। आर वैल्यू के एक से अधिक होने का मतलब है कि एक संक्रमित व्यक्ति एक से अधिक लोगों को और संक्रमित कर रहा है। एक से अधिक आर वैल्यू होने पर सक्रिय मामले बढ़ते हैं। आर वैल्यू के एक या उससे कम रहने का मतलब है कि संक्रमण का प्रसार रुक गया है। जो महामारी के खत्म होने का संकेत भी है। चेन्नई के गणितीय विज्ञान संस्थान के एक शोधकर्ता का अनुमान है कि कोरोना (स्दन-19) के लिए एक प्रभावी प्रजनन संख्या (आर वैल्यू) इस बात का सूचक है कि संक्रमण कितनी तेजी से फैल रहा है जनवरी के बाद पहली बार बढ़कर एक से अधिक हो गया है।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के पूर्व मुख्य विज्ञानी डा. आर गंगाखेड़कर ने कहा कि आर वैल्यू के एक से ऊपर होने से चिंता करने की जरूरत नहीं है, सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश में ओमिक्रोन के किसी नए संक्रामक वैरिएंट का पता नहीं चला है। इसलिए फिलहाल चौथी लहर की आशंका नजर नहीं आ रही है। पिछले कुछ दिनों से बढ़ रहे कोरोना के मामले देश में पिछले कुछ दिनों से कोरोना के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। बुधवार को भी नए मामलों में भारी उछाल देखने को मिला है। बीते 24 घंटे में 2,067 नए केस मिले हैं और 40 मौतें हुई हैं, जिसमें 34 मौतें अकेले केरल से हैं। एक दिन पहले 1,250 केस मिले थे और सिर्फ एक मौत हुई थी। इस दौरान सक्रिय मामले 480 बढ़े हैं और इनकी संख्या 12,340 हो गई है। कोविन पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक अब तक कोरोना रोधी वैक्सीन की कुल 186.93 करोड़ डोज लगाई जा चुकी हैं।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान की चोटी पर लगा लाउडस्पीकर बंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। सीएम योगी आदित्यनाथ के आदेश का असर मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर देखने को मिला है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान की चोटी पर लगा लाउडस्पीकर बुधवार की सुबह से बंद कर दिया गया। इस लाउडस्पीकर से रोज सुबह 5:30 से 6:30 बजे तक मंगलाचरण आरती और विष्णु सहस्त्रनाम पाठ चलता था। अब यह सुनाई नहीं देगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदेश दिया था कि धर्म स्थलों पर लाउडस्पीकर की आवाज उतनी ही रखी जाए कि धर्म स्थल से बाहर न जाए। इस आदेश के बाद बुधवार को श्री कृष्ण जन्मस्थान की चोटी पर लगा लाउडस्पीकर संस्थान ने बंद कर दिया। भगवत भवन से इस लाउडस्पीकर के जरिए सुबह 5:30 बजे से 6:30 बजे तक मंगलाचरण और विष्णु सहस्त्रनाम पाठ चलता था। श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री के आदेश का सम्मान करते हुए उन्होंने और संस्थान के वरिष्ठ सदस्य गोपेश्वर चतुर्वेदी ने मंगलवार रात को विचार-विमर्श करने के बाद यह निर्णय लिया कि कृष्ण जन्म स्थान की चोटी पर लगा हुआ लाउडस्पीकर बंद कर दिया जाए। कपिल शर्मा ने बताया कि मंदिर के अंदर स्पीकर पर जो भजन चलते हैं, वे कम आवाज में (जो मंदिर के अंदर ही रहे, बाहर ना जाए) चलाए जाएंगे। श्री कृष्ण जन्मस्थान की चोटी का लाउडस्पीकर सुबह न चलने से जगन्नाथ आसपास के इलाके जगन्नाथ पुरी गोविंद नगर के लोगों ने कृष्ण जन्म स्थान पर फोन कर इसके बारे जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट हिदायत दी थी कि किसी शोभायात्रा या धार्मिक जुलूस को अनुमति देने से पूर्व आयोजक से शांति-सौहार्द कायम रखने के संबंध में शपथ पत्र भी लिया जाए। अनुमति केवल उन्हीं धार्मिक जुलूसों को दिया जाए, जो पारंपरिक हों। नए आयोजनों को अनावश्यक अनुमति न दी जाए। साथ ही मुख्यमंत्री ने कमिश्नर से लेकर थानाध्यक्ष स्तर तक के सभी प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के अवकाश चार मई तक के लिए तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए हैं।

जहांगीरपुरी में बुलडोजर की कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली (ईएमएस)। जहांगीरपुरी में दंगे के आरोपियों के अतिक्रमण को बुलडोजर से गिराने की कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है। अदालत ने कहा उत्तरी दिल्ली नगर निगम को फिलहाल यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि फिलहाल अतिक्रमण को गिराने की कार्रवाई को रोक देना चाहिए। नगर निगम की कार्रवाई के खिलाफ वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे, कपिल सिब्बल, पीवी सुरेंद्रनाथ और प्रशांत भूषण ने अदालत में पक्ष रखा। दुष्यंत दवे ने निगम की कार्रवाई को अवैध बताते हुए कहा कि अतिक्रमण को ढहाने के लिए बुलडोजर भेजने से पहले लोगों को कोई नोटिस जारी नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि यह पूरी कार्रवाई पूरी तरह से अवैध है और किसी को भी नोटिस जारी नहीं किया गया। इस पर चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना की बेंच ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि दूसरे मामले के साथ ही कल इस पर सुनवाई की जाएगी। अदालत की ओर से कल सभी पक्षों को सुनने के बाद आदेश जारी किया जाएगा। गौरतलब है कि जहांगीरपुरी में बुधवार को सुबह ही 9 बुलडोजर पहुंच गए थे और दंगे के आरोपियों के अतिक्रमण को गिराने की तैयारी थी। इस कार्रवाई से पहले बड़े पैमाने पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बुलडोजर वापस लौट रहे हैं। इस बीच असदुद्दीन ओवैसी ने बुलडोजर वाली कार्रवाई पर टिप्पणी की है। ओवैसी ने कहा कि देश में मुस्लिमों की आबादी 20 करोड़ से ज्यादा है और यदि इस बड़ी आबादी का एक छोटा हिस्सा भी कट्टरपंथ की ओर से जाता है और जवाब में हिंसा करता है तो क्या भारत सरकार सुरक्षा की चुनौती को संभाल पाएगी? इससे पहले ओवैसी ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधते हुए कहा था कि वह इस अहम मसले पर चुप हैं। क्या इस कायरता के लिए उन्हें दिल्ली की जनता ने वोट दिया था।

जहांगीरपुरी में बुलडोजर की कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली (ईएमएस)। जहांगीरपुरी में दंगे के आरोपियों के अतिक्रमण को बुलडोजर से गिराने की कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है। अदालत ने कहा उत्तरी दिल्ली नगर निगम को फिलहाल यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि फिलहाल अतिक्रमण को गिराने की कार्रवाई को रोक देना चाहिए। नगर निगम की कार्रवाई के खिलाफ वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे, कपिल सिब्बल, पीवी सुरेंद्रनाथ और प्रशांत भूषण ने अदालत में पक्ष रखा। दुष्यंत दवे ने निगम की कार्रवाई को अवैध बताते हुए कहा कि अतिक्रमण को ढहाने के लिए बुलडोजर भेजने से पहले लोगों को कोई नोटिस जारी नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि यह पूरी कार्रवाई पूरी तरह से अवैध है और किसी को भी नोटिस जारी नहीं किया गया। इस पर चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना की बेंच ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि दूसरे मामले के साथ ही कल इस पर सुनवाई की जाएगी। अदालत की ओर से कल सभी पक्षों को सुनने के बाद आदेश जारी किया जाएगा। गौरतलब है कि जहांगीरपुरी में बुधवार को सुबह ही 9 बुलडोजर पहुंच गए थे और दंगे के आरोपियों के अतिक्रमण को गिराने की तैयारी थी। इस कार्रवाई से पहले बड़े पैमाने पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बुलडोजर वापस लौट रहे हैं। इस बीच असदुद्दीन ओवैसी ने बुलडोजर वाली कार्रवाई पर टिप्पणी की है। ओवैसी ने कहा कि देश में मुस्लिमों की आबादी 20 करोड़ से ज्यादा है और यदि इस बड़ी आबादी का एक छोटा हिस्सा भी कट्टरपंथ की ओर से जाता है और जवाब में हिंसा करता है तो क्या भारत सरकार सुरक्षा की चुनौती को संभाल पाएगी? इससे पहले ओवैसी ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधते हुए कहा था कि वह इस अहम मसले पर चुप हैं। क्या इस कायरता के लिए उन्हें दिल्ली की जनता ने वोट दिया था।

रूस ने एक दिन में दागे एक हजार गोले, स्टील फैक्ट्री में घिरे ढाई हजार यूक्रेनी सैनिकों का हथियार डालने से इन्कार

कीव। मारीपोल में हथियार डालने की दूसरी समय सीमा में भी बुधवार को कुछ नहीं हुआ। अजोवस्टाल स्टील फैक्ट्री से लड़ रहे यूक्रेनी सैनिक और लड़ाके हथियार डालने को तैयार नहीं हुए। फैक्ट्री घेरे रूसी सेना इन सैनिकों और लड़ाकों को समर्पण करो या मरो, का संदेश दे चुकी है लेकिन ये हथियार डालने को तैयार नहीं। फैक्ट्री परिसर में कई हजार नागरिक भी हैं। पूर्वी यूक्रेन में तेज हुए रूसी हमलों से मुकाबले के लिए अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और कनाडा ने यूक्रेन को हथियारों की अतिरिक्त मदद का भरोसा दिया है। अमेरिकी सरकार ने चंद रोज में नई सैन्य सहायता का एलान करने का संकेत दिया है। रूसी टैंकों और तोपों ने एक दिन में एक हजार से ज्यादा गोले दागे हैं।

एपी के अनुसार यूक्रेन के विभिन्न शहरों में पिछले 24 घंटों में रूसी सेना ने 1,053 गोले दागे हैं जबकि 73 हवाई हमले किए हैं। लेकिन मुख्य निशाना पूर्वी यूक्रेन का डोनेस्क और लुहांस्क इलाका ही रहा। मिसाइल हमले इसके अतिरिक्त हैं। यूक्रेन सरकार मारीपोल में फंसे महिलाओं, बच्चों और अन्य को निकालकर उन्हें जपोरीजिया पहुंचाने के प्रयास में है। लेकिन इस निकासी पर रूसी सेना की अपनी शर्तें हैं।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि घायल सैनिकों और लड़ाकों को समर्पण की शर्त पर सुविधाएं दी जाएंगी। उन्हें समर्पण करने पर ही दवाएं और चिकित्सा सुविधाएं दी जाएंगी। विदित हो कि मारीपोल के लगभग 12 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली अजोवस्टाल स्टील फैक्ट्री में मौजूद करीब ढाई हजार सैनिक और लड़ाके सुरंगों के रास्तों से रूसी सेना से जूझ रहे हैं। यहां पर कई हजार नागरिकों के होने की भी खबर है। मारीपोल के इस इलाके में रूसी सेना को कड़ा विरोध झेलना पड़ रहा है, बाकी जगहों पर उसका कब्जा हो गया है।

रूसी सेना से जूझ रही अजोव रेजीमेंट के डिप्टी कमांडर मेजर सेरही वोलीना का कहना है कि रूसी सेना फैक्ट्री परिसर में भारी बमबारी कर रही है। उसने वहां के अस्पताल को भी निशाना बनाया है। इस अस्पताल में करीब 300 घायल मरीज और नागरिक हैं। इनका सीमित सुविधाओं से इलाज हो रहा है। इस कमांडर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और पोप फ्रांसिस से जान बचाने की गुहार लगाई है। कहा है कि अब फैक्ट्री में मौजूद लोगों के पास कुछ दिन या कुछ घंटे ही बचे हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि रूसी सेना सबसे बर्बर तरीके से युद्ध कर रही है। वह अपनी जीतने के लिए हर तरीका अपना रही है, निर्दोष नागरिकों को मार रही है और जनसुविधाओं को निशाना बना रही है। मारीपोल में सबसे ज्यादा बर्बादी हुई है। वहां पर स्टील फैक्ट्री से प्रतिरोध खत्म करने के लिए रूसी सेना बंकर-बस्टर बम का इस्तेमाल कर रही है। जबकि रूस का दावा है कि वह यूक्रेन की सैन्य क्षमता को खत्म कर रहा है। इस बीच यूरोपीय यूनियन के राष्ट्रपति चार्ल्स मिशेल ने कीव पहुंचकर राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की और यूक्रेन के साथ लड़ाई में साथ होने का भरोसा दिया।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि रूसी सेना के हमले के बाद यूक्रेन से पलायन करने वालों की संख्या बढ़कर 50 लाख को पार कर गई है। दरबदर हुए इन लोगों में करीब आधी संख्या बच्चों की है। करीब आठ हफ्ते से जारी हमलों की तीव्रता दिनों-दिन बढ़ती जा रही है जिससे संकट बढ़ने के आसार हैं। विदित हो कि रूसी सेना हमले के पहले दिन से ही मारीपोल पर कब्जे की कोशिश में लगी हुई है। मारीपोल हाथ आते ही रूस समर्थित विद्रोहियों के कब्जे वाले डोनबास और रूस के कब्जे वाले क्रीमिया के बीच सीधा संपर्क कायम हो जाएगा। दोनों इलाके 2014 से रूस के कब्जे में हैं।

रूस को लेकर भारत पर दबाव बनाने से बचेंगे बोरिस जानसन, द्विपक्षीय संबंधों पर ज्यादा फोकस की होगी ब्रिटेन की कोशिश

नई दिल्ली। दो दिवसीय यात्रा पर गुरुवार सुबह भारत आने वाले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जानसन रूस को लेकर नीतिगत दबाव बनाने की कोई कोशिश नहीं करेंगे। पिछले पखवाड़े भारत यात्रा पर आई ब्रिटिश विदेश मंत्री एलिजाबेथ ट्रुस और उसके बाद अमेरिका के साथ टू-प्लस-टू वार्ता में भारत ने यूक्रेन-रूस युद्ध पर जिस तेवर के साथ साफगोई दिखाई है, उसे देखते हुए ही जानसन को ऐसा रुख अपनाना पड़ेगा। दोनों देशों के बीच होने वाली वार्ता से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जानसन के बीच होने वाली बैठक में यूक्रेन-रूस से ज्यादा द्विपक्षीय रिश्तों पर फोकस होगा। दोनों पक्षों की कोशिश है कि जब वैश्विक व्यवस्था में बदलाव का संकेत है, तब मोदी और जानसन की बैठक में द्विपक्षीय रिश्तों की दशा-दिशा पर ज्यादा ध्यान दिया जाए। जानसन अपनी यात्रा के पहले पड़ाव के तौर पर गुरुवार सुबह आठ बजे अहमदाबाद में अपने विशेष विमान से उतरेंगे। रात 10.30 बजे वे दिल्ली आएंगे और शुक्रवार को उनकी पीएम मोदी के साथ शीर्षस्तरीय वार्ता होगी।

रात 10.30 बजे उनका विमान ब्रिटेन के लिए वापस उड़ान भर लेगा। सत्ता में दोबारा लौटने के बाद ब्रिटिश पीएम की यह भारतीय प्रधानमंत्री के साथ पहली विस्तृत द्विपक्षीय वार्ता होगी। वर्ष 2021 में दो बार यात्रा की पूरी तैयारी करने के बावजूद कोविड महामारी की वजह से जानसन भारत नहीं आ सके थे। उनकी ग्लासगो में पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता हुई थी। लेकिन वह ज्यादा विस्तृत नहीं थी। ऐसे में आगामी वार्ता का एजेंडा बहुत बड़ा है। यह पूछने पर भारत पर यूक्रेन-रूस को लेकर ब्रिटेन कितना दबाव बनाएगा, ब्रिटिश उच्चायोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ब्रिटेन की विदेश मंत्री एलिजाबेथ ट्रुस ने पहले ही साफ कर दिया है कि ब्रिटेन भारत को यह नहीं बता सकता कि उसे क्या करना चाहिए। एक पुराने लोकतांत्रिक और करीबी साझेदार होने की वजह से हम सिर्फ कुछ बातें भारत के समक्ष रख सकते हैं। वैसे भी यह यात्रा यूक्रेन-रूस की स्थिति को देखते हुए तय नहीं किया गया है।

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रिश्तों का एजेंडा काफी बड़ा है। कारोबारी रिश्ते काफी अहम होंगे। दोनों देशों के बीच कारोबारी समझौता करने के लिए बातचीत काफी तेज रफ्तार से चल रही है। जनवरी के बाद दो दौर की वार्ता हो चुकी है। तीसरे दौर की वार्ता अगले हफ्ते है। मोदी और जानसन इसकी समीक्षा करेंगे। हिंद प्रशांत क्षेत्र को लेकर दोनों देशों के बीच लगातार संपर्क बना हुआ है। ब्रिटेन ने जब से हिंद प्रशांत को लेकर अपनी नीति का एलान किया है, तब से दोनों देशों के बीच इस क्षेत्र में सहयोग की नई संभावनाओं पर बात हो रही है। समुद्री क्षेत्र में भारत और ब्रिटेन के बीच पहले से खासा संबंध है। अब इसे हिंद प्रशांत क्षेत्र में ज्यादा व्यापक बनाने की संभावना दिख रही है। सूत्रों ने बताया कि दूसरी वजहों से हिंद प्रशांत क्षेत्र से ध्यान हटाया नहीं जा सकता। यह क्षेत्र भारत और ब्रिटेन के लिए काफी महत्वपूर्ण हो गया है। दोनों नेताओं के बीच हरित प्रौद्योगिकी और हरित तकनीक के लिए जरूरी फंड जुटाने पर भी बातचीत होने की संभावना है। नवंबर 2021 में ग्लासगो में मोदी और जानसन ने ग्रीन ग्रिड इनिशिएटिव (दुनिया भर में स्वच्छ ऊर्जा को एक दूसरे से जोड़ने के अभियान) की शुरुआत की थी। इस बारे में आगे किस तरह से कदम उठाना है, इस पर बातचीत होनी है। इस अभियान की अगुआई भारत व ब्रिटेन ही करेंगे।

यूरोपीय देशों के साथ रिश्तों पर भारत सरकार का फोकस किस तरह से बढ़ा है, इसके बारे में हम दोनों तरफ से होने वाली यात्राओं से अंदाजा लगा सकते हैं। ब्रिटेन के पीएम बोरिस जानसन की यात्रा के दो दिन बाद यूरोपीय आयोग की प्रेसिडेंट उर्सला वो डेर लेयन नई दिल्ली आएंगी। इसी बीच नार्वे की विदेश मंत्री एनिकेन हुएतफत भी भारत 25 अप्रैल को पहुंच रही हैं। इसके बाद पीएम नरेन्द्र मोदी मई, 2022 के पहले हफ्ते में जर्मनी, फ्रांस और फिनलैंड जाने की तैयारी में हैं। पीएम मोदी की जर्मनी और फ्रांस की यात्रा की घोषणा अगले हफ्ते विदेश मंत्रालय करेगा। यूरोपीय देशों की तरफ से भारत के साथ हर तरह के रिश्तों को प्रगाढ़ बनाने की कोशिश हो रही है।

इस बार वर्चुअल होगा पांच देशों के संगठन ब्रिक्स का सम्मेलन, बीजिंग नहीं जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे 5 देशों के संगठन ब्रिक्स की अगली बैठक वर्चुअल होगी। इस बार बैठक की अध्यक्षता चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग करने वाले हैं। यह बैठक जून के आखिर में हो सकती है। ऑनलाइन मीटिंग होने की वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैठक में शामिल होने के लिए चीन नहीं जाएंगे। हाल ही में चीन के विदेश मंत्री ने दिल्ली आकर भारत को मनाने की कोशिश की थी कि पीएम मोदी बीजिंग जाकर इस बैठक में शामिल हों।

भारत ने साफ कह दिया था कि वह सीमा विवाद को दरकिनार करके चीन के साथ सामान्य संबंध बहाल करने पर आगे नहीं बढ़ सकता। ब्रिक्स समिट के ऑनलाइन होने को रूस-यूक्रेन युद्ध से भी जोड़कर देखा जा रहा है। भारत ने लद्दाख सीमा पर चीन की हरकत के बाद से ही बेहद कड़ा रवैया अख्तियार कर रखा है। 2017 में डोकलाम में भारत के कई इलाकों पर चीनी सेना के कब्जे और जून 2020 में गलवान में सैनिकों के बीच हिंसक झड़प के बाद भारत ने चीन से संबंधों को सीमित कर रखा है।

इस विवाद के सिर उठाने के बाद पहली बार चीन के विदेश मंत्री वांग यी 25 मार्च को दिल्ली आए थे। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात के दौरान उन्होंने संबंध बहाली पर जोर दिया था। चीनी विदेश मंत्री ने ब्रिक्स सम्मेलन में पीएम मोदी के चीन जाकर शामिल होने के लिए भारत को मनाने की भरपूर कोशिश की थी, लेकिन जयशंकर ने साफ कर दिया था कि भारत सीमा विवाद को नजरअंदाज नहीं कर सकता। पहले चीन लद्दाख से अपनी फौज हटाए, उसके बाद संबंध बहाली पर विचार किया जाएगा।

इस दौरान चीनी विदेश मंत्री ने पीएम मोदी से मुलाकात की भी कोशिश की थी, लेकिन भारत ने समय नहीं दिया था।

सूत्रों के अनुसार ब्रिक्स समिट के लिए 23-24 जून की तारीख सुझाई गई है, हालांकि अभी यह तिथि फाइनल नहीं हुई है। पिछले साल भी ब्रिक्स समिट ऑनलाइन हुई थी। तब भारत ने इसकी अगुआई की थी। चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर विवाद गहराने के बाद यह पहला मौका है, जब चीन ब्रिक्स सम्मेलन की अध्यक्षता करेगा। ब्रिक्स समिट के लिए चीन जाने से इनकार करने के अलावा भारत ड्रैगन देश को साफ संदेश देने के लिए एक और कदम उठा रहा है। ब्रिक्स समिट से पहले पीएम मोदी क्वाड सम्मेलन में शामिल होने के लिए 24 मई को जापान जाएंगे।

ब्रिक्स समिट के वर्चुअल होने की एक और वजह देखी जा रही है। ट्रिब्यून ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों पर तगड़ा दबाब बनाया जा रहा है कि वे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ कम से कम संपर्क रखें। ब्रिक्स का सम्मेलन अगर चीन में प्रत्यक्ष रूप से होता और पीएम मोदी वहां जाते हैं, तो पुतिन के साथ उनकी और चीनी राष्ट्रपति समेत ब्राजील व दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रप्रमुखों की सीधी मुलाकात होती। अमेरिका जैसे पश्चिमी देश यह नहीं चाहते। उन्हें डर है कि पुतिन अपने खिलाफ लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की धार कमजोर करने के लिए इस बैठक का फायदा उठा सकते हैं। अब ब्रिक्स समिट के वर्चुअल होने से ये आशंका कम हो गई है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन पहली बार ऐसी किसी बैठक में शामिल होने वाले हैं।

कार्टून कोना

लुधियाना में आग लगने से बिहार के एक ही परिवार के 7 लोगों की दर्दनाक मौत

लुधियाना (ईएमएस)। पंजाब के लुधिया में बिहार के रहने वाले एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत हो गई है। यह परिवार लुधियाना में रहकर मजदूरी करता था। बुधवार की सुबह उनकी झोपड़ी में आग लग गई और इसके चलते सभी की जिंदा जलकर मौत हो गई। लुधियाना ईस्ट के असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर सुरिंदर सिंह ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि ये सभी लोग प्रवासी मजदूर थे और सुबह जब अपनी झोपड़ी में सो रहे थे, उसी वक्त आग लग गई। इसके चलते बच निकलने का मौका नहीं मिला और उनकी जिंदा जलने से दर्दनाक मौत हो गई। पंजाब के लुधिया में बिहार के रहने वाले एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत हो गई है। यह परिवार लुधियाना में रहकर मजदूरी करता था। बुधवार की सुबह उनकी झोपड़ी में आग लग गई और इसके चलते सभी की जिंदा जलकर मौत हो गई। लुधियाना ईस्ट के असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर सुरिंदर सिंह ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि ये सभी लोग प्रवासी मजदूर थे और सुबह जब अपनी झोपड़ी में सो रहे थे, उसी वक्त आग लग गई। इसके चलते बच निकलने का मौका नहीं मिला और उनकी जिंदा जलने से दर्दनाक मौत हो गई।

आरएफआइडी टैग से लेकर ड्रोन तक अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा होगी अभेद्य

जम्मू (ईएमएस)। दो साल बाद शुरू होने जा रही अमरनाथ यात्रा को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम कर लिए हैं। पंजाब बार्डर से ही गाड़ियों पर इंडीविजुअल रेडियो फ्रीक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन टैग लगा दिए जाएंगे। अमरानाथ जी की यात्रा पर जाने वाले यात्री जैसे ही जम्मू-कश्मीर में दाखिल होंगे, वहीं से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। सुरक्षाबल साउथ बनिहाल को लेकर ज्यादा सतर्क हैं। इसके अलावा जम्मू कैंप से लेकर उमधपुर रूट तक सुरक्षा को लेकर पूरी सतर्कता बरती जा रही है। गौरतलब है कि जम्मू से साउथ कश्मीर जाने के लिए यात्री बनिहाल टनल का इस्तेमाल किया करते थे लेकिन साल 2018 में अनंतनाग में अमरनाथ यात्रियों को ले जा रही बस पर आतंकियों ने हमला कर दिया था। तब से यात्री लखीमपुर होते हुए पंजाब-जम्मू बार्डर के रास्ते से जाते हैं। सीआरपीएफ के एक अधिकारी के मुताबिक हर यात्री को आरएफआइडी टैग देने पर विचार चल रहा है ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके की यात्री दर्शन के बाद उसी जगह पर सुरक्षित पहुंच सके जहां से उसने यात्रा शुरू की थी। उन्होंने बताया कि ये काफी चुनौतीपूर्ण काम है क्योंकि इसके लिए और भी मॉनिटर की जरूरत पड़ेगी। 30 जून से 11 अगस्त तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा का जिम्मा पैरामिलिट्री फोर्स की 50 कंपनियों पर होगा। इनमें 40 सीआरपीएफ की कंपनियां शामिल हैं। ड्रोन हमले की आशंका को लेकर भी सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। पिछले कुछ महीनों में बीएसएफ और सेना ने पंजाब और जम्मू में पाकिस्तान से आए कई ड्रोन को मार गिराया था। बताया जा रहा है कि इनमें से कई ड्रोन ऐसे थे जिनके साथ हथियार भेजे गए थे। आर्मी सूत्रों के मुताबिक एलओसी के पास पिछले कुछ समय में कोई असामान्य गतिविधि दर्ज नहीं की गई है। लेकिन हालात कभी भी बदल सकते हैं और आतंकी अमरनाथ यात्रा को बाधित करने की कोशिश कर सकते हैं।

सिखों के नौवें गुरु तेग बहादुर के प्रकाश पर्व पर 21 को लाल किले से देश को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी सिख पंथ के नौवें गुरु तेगबहादुर के प्रकाश पर्व के मौके पर 21 अप्रैल को लाल किले से देश को संबोधित करेंगे। 400वें प्रकाश पर्व पर शबद कीर्तन के लिए 400 ही रागियों को आमंत्रित किया गया है। इसका अपना प्रतीकात्मक महत्व है। सबसे अहम बात गुरु तेग बहादुर के प्रकाश पर्व पर लाल किले से संबोधन है। सिख इतिहास के जानकार मानते हैं कि यह पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से राष्ट्रवाद और सिख इतिहास पर एक संदेश देने का प्रयास है।

लाल किले पर आयोजन का महत्व बताते हुए संस्कृति मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन ने कहा कि मुगलों ने लाल किले पर गुरु तेग बहादुर को फांसी देने का आदेश दिया था। गुरु तेग बहादुर सिखों के नवें गुरु थे। उन्होंने काश्मीरी पंडितों तथा अन्य हिन्दुओं को बलपूर्वक मुसलमान बनाने का विरोध किया था। 1675 में मुगल शासक औरंगजेब ने उन्हें इस्लाम स्वीकार करने को कहा। जिस पर गुरु तेग बहादुर ने कहा कि सीस कटा सकते हैं केश नहीं। इसके बाद औरंगजेब ने तेग बहादुर का सिर काट दिया था।

गुरु तेग बहादुर को समर्पित दिल्ली के चांदनी चौक का गुरुद्वारा शीशगंज गुरुद्वारा साहिब के नाम से जाना जाता है। क्योंकि लाल किले के पास इसी जगह पर औरंगजेब ने गुरु तेग बहादुर का सिर काटा था। बता दें कि लाल किले की प्राचीर से भारत के प्रधानमंत्री द्वारा हर साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश को संबोधित करने की प्रथा रही है। लेकिन इस बार पीएम मोदी गुरु तेग बहादुर की जयंती पर लाल किले से देश को संबोधित करेंगे। इसके कई मायने हैं।

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे। इसके अलावा दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन बुधवार को शबद कीर्तन में चार सौ रागी प्रस्तुति देंगे। गुरु तेग बहादुर के जीवन, संघर्ष और वीरता को प्रदर्शित करने वाला 15 मिनट का लाइट एंड साउंड शो भी होगा।

समारोह के पहले दिन बुधवार को गृहमंत्री अमित शाह स्मारक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। बुधवार को शबद कीर्तन में करीब 400 बच्चे हिस्सा लेंगे। वह लाल किले में मल्टीमीडिया शो 'द लाइफ एंड सैक्रिफाइस ऑफ गुरु तेग बहादुर जी' का भी उद्घाटन करेंगे।

कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति मंत्रालय द्वारा दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (डीएसजीएमसी) के सहयोग से किया जा रहा है। विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमहाद्वीप और विदेशों से कई प्रमुख हस्तियां समारोह का हिस्सा होंगी। यह कार्यक्रम आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के तहत आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए, संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि यह पहली बार है जब सिखों के नौवें गुरु की जयंती पर इस तरह का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार एकेएएम कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में उन सभी लोगों को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित कर रही है, जिन्होंने अपने धर्म और भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी थी।

भारत और वियतनाम के बीच हवाई सेवा बहाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और वियतनाम के बीच हवाई सेवा बहाल हो गई है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को वियतनाम की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष वुओंग दिन्ह ह्यू के साथ, कोरोना महामारी के कारण दोनों देशों के बीच निलंबित हवाई सेवाओं को बहाल किया। साथ ही उन्होंने चार नए मार्गों पर हवाई सेवाओं का उद्घाटन भी किया। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने वियतनाम और भारत के बीच बढ़ रहे संबंधों से व्यापार और पर्यटन के क्षेत्र में नए अवसरों के पैदा होने की बात कही। उन्होंने कहा कि वियतनाम और भारत के बीच बढ़ी कनेक्टिविटी से व्यापार और पर्यटन के अवसर पैदा होंगे, जिससे दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा मिलेगा।

महामारी के कारण निलंबित की गई हवाई सेवा को ओम बिरला की यात्रा के दौरान फिर से शुरू कर दिया गया है। वियतनाम की हो ची मिन्ह सिटी और हनोई से नई दिल्ली के बीच हवाई सेवाएं 29 अप्रैल और 30 अप्रैल को फिर से शुरू होंगी। इसके अतिरिक्त, चार नए हवाई मार्ग हनोई-मुंबई, हो ची मिन्ह सिटी-मुंबई और फु क्वोक के दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप को नई दिल्ली और मुंबई से जोड़ेंगे।

जन हितैषी

सेना प्रमुख की चुनौतियां

लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे देश के अगले थल सेना प्रमुख होंगे। केंद्र सरकार ने नए सेनाध्यक्ष के तौर पर उनकी नियुक्ति के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। वह इसी महीने 30 अप्रैल को रिटायर हो रहे सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की जगह एक मई को भारतीय सेना की कमान संभालेंगे। कई विशेष सैन्य आपरेशनों में हिस्सा ले चुके लेफ्टिनेंट जनरल पांडे इस समय देश के उप सेना प्रमुख हैं। सरकार ने नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति में इस बार वरिष्ठता की कसौटी का पालन करना मुनासिब समझा है और लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे वर्तमान शीर्षस्थ अधिकारियों में सबसे वरिष्ठ हैं। खास बात यह भी है कि वह सेना प्रमुख के पद पर पहुंचने वाले काप्र्स आफ इंजीनियर ब्रांच के पहले अफसर हैं। उप सेना प्रमुख बनने से पहले लेफ्टिनेंट जनरल पांडे पूर्वी कमान के कमांडिंग आफिसर और अंडमान-निकोबार कमान के कमांडर इन चीफ का पद भी संभाल चुके हैं। सेना के काबिल अफसरों में शुमार किए जाने वाले पांडे सेना में अपनी सेवाओं के लिए परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल आदि से सम्मानित किए जा चुके हैं। पांडे ने नेशनल डिफेंस एकेडमी और इंडियन मिलिट्री एकेडमी के जरिये 1982 में काप्र्स आफ इंजीनियर में बतौर सेना अधिकारी कमीशन हासिल किया था। वह ब्रिटेन के कैमबर्ले के स्टाफ कालेज का भी हिस्सा रहे और संयुक्त राष्ट्र के कई शांति मिशनों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। लेफ्टिनेंट जनरल पांडे ने संसद पर हमले के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा पर आपरेशन पराक्रम में तैनाती के दौरान जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर 117 इंजीनियर रेजिमेंट का नेतृत्व भी किया था। इसके बाद आर्मी वार कालेज महू से हायर कमांड कोर्स पूरा किया और मेजर जनरल बनने के बाद पश्चिमी लद्दाख में ऊंचाई वाले अभियानों में शामिल आठ माउंटेन डिवीजन की कमान संभाली। फिर सेना मुख्यालय में सैन्य अभियान निदेशालय में अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) के रूप में काम किया। लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे ऐसे समय देश के सेना प्रमुख की जिम्मेदारी संभालेंगे जब बीते दो साल से पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा पर चल रही सैन्य जटिलताएं अभी भी बनी हुई हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के आने के बाद जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के नए खतरों की आशंकाएं कायम हैं तो मौजूदा रूस-यूक्रेन युद्ध के परिप्रेक्ष्य में नई तरह की सामरिक चुनौतियों से रूबरू होना पड़ेगा। इनके बीच सेना का आधुनिकीकरण और जरूरी अस्त्र-शस्त्रों की यथाशीघ्र आपूर्ति नए सेना प्रमुख के लिए सबसे अहम होगी। लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे के सेनाध्यक्ष बनने के बाद तीनों सेना प्रमुख एनडीए के 61वें बैच के होंगे। वायुसेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी और नौसेना अध्यक्ष एडमिरल हरि कुमार उसी बैच के हैं। घर में सैन्य पृष्ठभूमि न होने के बावजूद उनके सेना में जाने की कहानी बेहद दिलचस्प है। पांडे परिवार शहर से दूर नागपुर यूनिवर्सिटी कैंपस में रहता था। उनके घर के आसपास कोई बड़ा स्कूल नहीं था। हालांकि, घर से कुछ दूरी पर वायु सेना नगर में एक केंद्रीय विद्यालय था, लेकिन उसमें बाहरी स्टूडेंट्स के लिए कोई प्रवेश नहीं था। उनके पिता डॉ. पांडे ने वायु सेना के अधिकारियों से मनोज को स्कूल में दाखिला देने के लिए अनुरोध किया, जिसे उन्होंने मान लिया। यहां पढ़ने के दौरान उन्होंने सेना का अनुशासन देखा और यहीं से मन बनाया कि वे भी आर्मी ज्वाइन करेंगे। यहीं पढ़ने के दौरान 11वीं कक्षा में पढ़ते हुए उन्होंने केंद्रीय लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास की और एनडीए में शामिल हो गए। वहां तीन साल का कोर्स पूरा करने के बाद उन्होंने मिलिट्री इंजीनियरिंग कॉलेज, देहरादून से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। इसके बाद 1982 में वह बॉम्बे सैपर्स आर्मी इंजीनियरिंग सर्विस में शामिल हुए। उनके छोटे भाई संकेत पांडे भी सेना में कर्नल रहे और कुछ साल पहले सेवानिवृत्त हुए हैं। सबसे छोटे भाई डॉ. केतन पांडे वर्तमान में ब्रूनेई के राजा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। मनोज पांडे के बेटे अक्षय और उनकी पत्नी सौम्या सिंह भी सेना में हैं और वर्तमान में वायु सेना में पायलट हैं।

सबसे अच्छा सखा है ज्ञान

आत्मा ही आनन्द का स्वरूप है। किसी भी सुखद अनुभूति में तुम आंखे मूंद लेते हो। जैसे जब किसी फूल को सूंघते हो, कोई स्वादिष्ट खाना चखते हो या किसी वस्तु को स्पर्श करते हो। दुख का केवल यही अर्थ है कि तुम अपरिवर्तनशील आत्मा पर केन्द्रित होने के बदले विषयवस्तु में फंसे हो, जो परिवर्तनशील है। सभी इन्द्रियां केवल डाइविंग बोर्ड की भांति हैं जो तुम्हें वापस आत्मा तक पहुंचाती हैं। स-खा का अर्थ है वह ही इन्द्रिय है। सखा वह है जो तुम्हारी इन्द्रिय बन गया है, जो तुम्हारी इन्द्रिय ही है। यदि तुम मेरी इन्द्रिय हो, इसका मतलब तुम्हारे द्वारा मुझे ज्ञान मिलता है, तुम मेरी छठी इन्द्रिय हो। जैसे मैं अपने मन पर विश्वास करता हूं, वैसे ही मैं तुम पर विश्वास करता हूं। एक मित्र केवल इन्द्रिय-विषय हो सकता है, परन्तु सखा स्वयं इन्द्रिय बन जाता है।

सखा वह साथ है जो सुख और दुःख, दोनों अनुभवों में साथ रहता है। सखा वह है जो तुम्हें आत्म स्थित करता है, यदि तुम किसी विषय वस्तु में फंसे हो। जो ज्ञान तुम्हें वापस आत्मा की ओर लाता है, वही सखा है। ज्ञान तुम्हारा साथी है और गुरु केवल ज्ञान के प्रतिरूप हैं। सखा का अर्थ है, वह मेरी इन्द्रियां हैं। मैं संसार को उसी ज्ञान के द्वारा, उनके माध्यम से देखता हूं। यदि तुम्हारी सोच देवी है, तो तुम समस्त संसार को दिव्य दृष्टि से देखोगे। कुछ वर्षो में तुम्हारा मस्तक मिट्टी में होगा, जीते जी तो अपना सर कीचड़ से मत भरो। मेरा पीछा न करो। वास्तव में तुम मेरा पीछा कर भी नहीं सकते, क्योंकि मैं तो तुम्हारे पीछे हूं, तुमको आगे ठेलने के लिए। तुम्हें सब-कुछ पीछे छोड़ देना है और आगे बढ़ना है। सब कुछ तुम्हारे सभी अनुभव, तुम्हारे नाते-रिश्ते-भूत काल के हिस्से हैं। सब-कुछ छोड़ दो। अपनी स्मृतियों के सम्पूर्ण संसार को पीछे छोड़ दो। मुझको भी। आगे बढ़ो और मुक्त हो जाओ। कुछ और खोजना बन्द करो- तब तुम मुक्त होगे और तुममें अनुकम्पा उभरेगी।

दैनिक पंचांग

21 अप्रैल 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.57 बजे से
चंद्र	धनु में	मिथुन	08.55 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	11.09 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	13.25 बजे से
गुरु	मीन में	कन्या	15.37 बजे से
शुक्र	कुंभ में	तुला	17.47 बजे से
शनि	मकर में	वृश्चिक	20.02 ब.से
राहु	मेष में	धनु	22.18 बजे से
केतु	तुला में	मकर	00.23 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कुंभ	02.10 बजे से
		मीन	03.43 बजे से
		मेष	05.13 बजे से

गुरुवार 2022 वर्ष का 111 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण
तिथि पंचमी 11.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 21.52 बजे को समाप्त।
योग परिघ 10.21 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 11.13 बजे तदनन्तर गर 21.56 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.7 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 11° 47'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871225
जूलियन दिन 2459690.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना रमजान
तारीख 19

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7262

बाएँ से दाएँ

1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. ......-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़ा-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि फैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -7261 का हल

र	म	णी	य	■	ब	र	स	■
बा	म	■	की	■	ह	■	म	त
य	■	अ	न	ब	न	■	■	म
त	म	स	■	री	■	स	र	स
■	■	बा	ज	■	पा	गे	■	■
स	ली	ब	■	मी	■	व	ज	ह
ली	■	■	म	न	ह	र	■	गा
का	म	■	न	■	र	■	श	र
■	द	म	न	■	म	हा	व	त

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

चिंता का कारण बनते निरन्तर होते रेल हादसे

15 अप्रैल की रात एक और बड़ी रेल दुर्घटना हुई, जब मध्य रेलवे के माटुंगा-दादर के बीच दादर से पुड्डुचेरी जाने वाली दादर पुड्डुचेरी एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए थे और उसी समय गडग एक्सप्रेस भी इस ट्रेन से टकराते-टकराते बची थी। इस रेल दुर्घटना के 15 घंटे बाद इस रूट पर रेल सेवा पूरी तरह बहाल की जा सकी। पिछले करीब तीन महीने से एक के बाद एक होती रेल दुर्घटनाओं से रेलवे के सुरक्षा प्रबंधों पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। हालांकि 13 जनवरी को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के दोमोहानी इलाके में हुई भीषण रेल दुर्घटना के बाद इतनी बड़ी दुर्घटना तो नहीं हुई है लेकिन लगातार हो रही छोटी रेल दुर्घटनाओं की अनदेखी करना भी उचित नहीं होगा क्योंकि ये दुर्घटनाएं भी यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि भारतीय रेल प्रणाली में सब कुछ दुरूस्त नहीं है। ऐसे हर छोटे-बड़े हादसों में रेल तंत्र की लापरवाही स्पष्ट उजागर होती रही है।

अगर हाल के दिनों की कुछ रेल दुर्घटनाओं पर नजर डालें तो 3 अप्रैल को महाराष्ट्र में नासिक के निकट जयनगर एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतरने के कारण एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई। उसी दिन जोगबनी से कटिहार जा रही डीएमयू का एक्सल टूट जाने से बड़ी दुर्घटना होते-होते बची। 2 अप्रैल को महाराष्ट्र के दौलताबाद स्टेशन के निकट मालगाड़ी के 8 डिब्बे पटरी से उतर गए। 31 मार्च को एटा से आगरा जा रही रेलगाड़ी बड़ी दुर्घटना का शिकार होते-होते टली, दरअसल आगे पटरी टूटी थी और एक श्रमिक महिला ने अपनी लाल साड़ी उतारकर रेल पटरी के बीचों-बीच साड़ी लहराकर चालक को सचेत किया। 28 मार्च को छत्तीसगढ़ के जामगांव रेलवे स्टेशन के निकट एक ही पटरी पर दो मालगाडियां आ जाने से उनकी टक्कर हो गई। 5 मार्च को सहारनपुर से दिल्ली आ रही पैसेंजर ट्रेन में अचानक आग लगने से यात्रियों में हड़कंप मच गया था। उससे पहले बिहार के मधुबनी रेलवे स्टेशन पर खड़ी स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस की कुछ बोगियों में भी 19 फरवरी की सुबह एकाएक आग लग गई थी।

लापरवाही के चलते लगातार हो रहे ऐसे रेल हादसों की बहुत लंबी फेहरिस्त है लेकिन चिंता की बात यह है कि लगातार होते ऐसे हादसों से कोई सबक नहीं लिए जाते। जब भी बड़ा रेल हादसा घटित होता है तो रेलवे द्वारा भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का रटा-रटाया जवाब सुनने को मिलता है लेकिन थोड़े ही समय बाद जब फिर कोई रेल हादसा सामने आता है तो रेल तंत्र के ऐसे दावों की कलई खुल जाती है। ऐसे रेल हादसों के बाद प्रायः जांच के नाम पर कुछ रेल कर्मचारियों व अधिकारियों पर गाज गिरती है किन्तु समूचा रेल तंत्र उसी पुराने ढ़र्रे पर रेंगता रहता है। हर रेल हादसे के बाद हादसे के कारणों को लेकर तरह-तरह की बातें कही-सुनी जाती हैं। कभी रेलकर्मियों की लापरवाही की बात सामने आती है तो कभी कहा जाता है कि बाहरी ताकतों ने इसे अंजाम दिया। हर दुर्घटना के बाद जांच के आदेश दिए जाते हैं और जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित की जाती है किन्तु समिति की रिपोर्ट फाइलों में दबकर रह जाती है। यही कारण है कि किसी भी हादसे में कभी पता नहीं चलता कि हादसे में वास्तविक दोषी कौन था?

रेल दुर्घटनाओं के मामले में भारतीय रेलों की क्या दशा है, इसका अनुमान रेल मंत्रालय के ही इन आंकड़ों से लगाया जा सकता है कि 2019 से पहले के साढ़े चार वर्षों में 350 से भी अधिक छोटे-बड़े हादसे हुए थे। रिपोर्ट के अनुसार 2014-15 में जहां 135 रेल हादसे हुए, वहीं 2015-16 में 107 और 2016-17 में 104 रेल हादसे सामने आए। तत्कालीन रेलमंत्री सुरेश प्रभु ने संसद में बताया था कि 2012 से 2017 के बीच पांच वर्षों में देश में 586 रेल हादसे हुए, जिनमें 308 बार ट्रेनें पटरी से उतरी और उन हादसों में 1011 लोग मारे गए, जिनमें पटरी से उतरने वाली ट्रेनों ने ही 347 जानें ली। रेलवे सेफ्टी और यात्री सुरक्षा से जुड़े एक सवाल के जवाब में संसद में बताया गया था कि रेल हादसों की बड़ी वजह रेलवे स्टाफ की नाकामी, सड़क पर चलने वाली गाडियां, मशीनों की खराबी और तोड़-फोड़ रही। 2014-15 के 135 रेल हादसों में 60, 2015-16 में हुए 107 हादसों में 55 और 2016-17 में 30 नवम्बर 2016 तक के 85 हादसों में से 56 दुर्घटनाएं रेलवे स्टाफ की नाकामी या लापरवाही के चलते हुई।

तत्कालीन रेलमंत्री सुरेश प्रभु द्वारा 2016-17 के रेल बजट में रेल दुर्घटनाएं रोकने के लिए 'मिशन जीरो एक्सीडेंट' नामक एक विशेष अभियान शुरू करने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद रेल दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए त्वरित पटरी नवीनीकरण, अल्ट्रासोनिक रेल पहचान प्रणाली तथा प्राथमिकता के आधार पर मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग खत्म किए जाने जैसे विभिन्न सुरक्षा उपायों पर कार्य शुरू किया गया था किन्तु ये कार्य बहुत धीमी गति से जारी हैं। हालांकि ट्रेनों की आपस में टक्कर से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए 'कवच' नामक सुरक्षा प्रणाली का उपयोग शुरू हो चुका है और धीरे-धीरे इसका दायरा बढ़ाया जा रहा है लेकिन तमाम छोटी-बड़ी रेल दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। रेल दुर्घटनाओं पर लगाम नहीं लग पाने का बहुत बड़ा कारण है रेल पटरियों की जर्जर हालत, जिन पर सरपट दौड़ती रेलें कब किस जगह बड़े हादसे का शिकार हो जाएं, कहना मुश्किल है। एक तरफ जहां बूढ़ी हो चुकी जर्जर पटरियों पर जवान ट्रेनें सरपट दौड़ रही हैं, वहीं देशभर में लगभग सभी स्थानों पर पटरियां अपनी क्षमता से कई गुना ज्यादा बोझ ढ़ो रही हैं। रेलवे ट्रैकों पर बोझ लगातार बढ़ रहा है। भारतीय रेलवे के कुल 1219 रेलखंडों में से करीब 40 फीसदी पर ट्रेनों का जरूरत से ज्यादा बोझ है। एक रिपोर्ट के मुताबकि 247 रेलखंडों में से करीब 65 फीसदी तो अपनी क्षमता से 100 फीसदी से भी अधिक बोझ ढ़ोने को मजबूर हैं और कुछ रेलखंडों में पटरियों की कुल क्षमता से 220 फीसदी तक ज्यादा ट्रेनों को चलाया जाता रहा है। इस वजह से भी अनेक वीभत्स हादसे होने के बाद भी रेल तंत्र इस ओर से आंखें मूंदे रहा है।

रेलवे की स्थायी समिति द्वारा अपनी सुरक्षा रिपोर्ट में स्पष्ट किया जा चुका है कि वर्ष 1950 से 2016 के बीच दैनिक रेल यात्रियों में जहां 1344 फीसदी की वृद्धि हुई, वहीं माल ढुलाई में 1642 फीसदी की बढ़ोतरी हुई लेकिन इसके विपरीत रेलवे ट्रैक का विस्तार महज 23 फीसदी ही हो सका। वर्ष 2000 से 2016 के बीच दैनिक यात्री ट्रेनों की संख्या में भी करीब 23 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यात्री रेलों के अलावा मालगाडियों की भी बात करें तो अधिकांश मालगाडियां भी ट्रैकों पर उनकी क्षमता से कहीं अधिक भार लिए दौड़ रही हैं। रेल नियमावली के अनुमार मौजूदा ट्रैक पर 4800 से 5000 टन भार की मालगाडियां ही चलाई जा सकती हैं लेकिन पिछले कई वर्षों से सभी ट्रैकों पर 5200 से 5500 टन भार के साथ मालगाडियां दौड़ रही हैं। हालांकि कैग की एक रिपोर्ट में ओवरलोडेड मालगाडियों के परिचालन पर आपत्ति जताते हुए उन पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया था किन्तु कमाई के फेर में रेलवे द्वारा कैग के इन महत्वपूर्ण सुझावों को रद्दी की टोकरी में डाल दिया गया। बेहतर होगा, रेल तंत्र पटरियों पर दौड़ती मौत रूपी भारतीय रेल के सफर को सुरक्षित बनाने की दिशा में शीघ्रातिशीघ्र कारगर कदम उठाए और रेलों में यात्रियों की सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम हों। (लेखक- योगेश कुमार गोयल/ ईएमएस)

'हिन्द की चादर' गुरू तेग बहादुर

(गुरू तेग बहादुर के प्रकाश पर्व पर विशेष)

सिखों के 8वें गुरू हरिकृष्ण राय की अकाल मृत्यु हो जाने के बाद तेग बहादुर को नवां गुरू बनाया गया था, जिनके जीवन का प्रथम दर्शन ही यही था कि धर्म का मार्ग सत्य और विजय का मार्ग है। सिखों के नवें गुरू तेग बहादुर सदैव सिख धर्म मानने वाले और सच्चाई की राह पर चलने वाले लोगों के बीच रहा करते थे, जिन्होंने न केवल धर्म की रक्षा की बल्कि देश में धार्मिक आजादी का मार्ग भी प्रशस्त किया। 1 अप्रैल 1621 को माता नानकी की कोख से जन्मे तेग बहादुर ने धर्म और आदर्शों की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावार कर दिए थे। धार्मिक स्वतंत्रता के पक्षधर रहे गुरू तेग बहादुर के प्रकाश पर्व के अवसर पर 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करेंगे। गुरू तेग बहादुर ने हिन्दुओं तथा कश्मीरी पंडितों की मदद कर उनके धर्म की रक्षा करते हुए अपने प्राण गंवाए थे। उन्होंने हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए अपनी कुर्बानी दी, इसीलिए उन्हें 'हिन्द की चादर' कहा जाता है।

क्रूर मुगल शासक औरंगजेब ने गुरू तेग बहादुर को हिन्दुओं की मदद करने और इस्लाम नहीं अपनाने के कारण मौत की सजा सुनाई थी और उनका सिर कलम करा दिया था। उस आततायी और धर्मान्ध मुगल शासक की धर्म विरोधी तथा वैचारिक स्वतंत्रता का दमन करने वाली नीतियों के विरूद्ध गुरू तेग बहादुर का बलिदान एक अभूतपूर्व ऐतिहासिक घटना थी। विश्व इतिहास में धर्म एवं मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धांतों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों में गुरू तेग बहादुर का स्थान अद्वितीय है और एक धर्म रक्षक के रूप में उनके महान् बलिदानों को समूचा विश्व कदापि नहीं भूल सकता। उस समय औरंगजेब ने आदेश पारित किया था कि राजकीय कार्यों में किसी भी उच्च पद पर किसी हिन्दू की नियुक्ति नहीं की जाए और हिन्दुओं पर 'जजिया' (कर) लगा दिया जाए। हिन्दुओं पर लगातार बढ़ते अत्याचारों और भारी-भरकम नए-नए कर लाद दिए जाने से भयभीत बहुत सारे हिन्दुओं ने उस दौर में धर्म परिवर्तन कराकर मजबूरन इस्लाम धर्म अपना लिया।

औरंगजेब के अत्याचारों के उस दौर में कश्मीर के कुछ पंडित गुरू तेग बहादुर के पास पहुंचे और उन्हें अपने ऊपर हो रहे जुल्मों की दास्तान सुनाई। गुरू जी ने उनकी पीड़ा सुनने के बाद मुस्कराते हुए कहा कि तुम लोग बादशाह से जाकर कहो कि हमारा पीर तेग बहादुर है, अगर वह मुसलमान हो जाए तो हम सभी इस्लाम स्वीकार कर लेंगे। कश्मीरी पंडितों ने कश्मीर के सूबेदार शेर अफगन के मार्फत यह संदेश औरंगजेब तक पहुंचाया तो औरंगजेब बिफर उठा। उसने गुरू तेग बहादुर को दिल्ली बुलाकर उनके परम प्रिय शिष्यों मतिदास, दयालदास और सतीदास के साथ बंदी बना लिया और तीनों शिष्यों से कहा कि अगर तुम लोग इस्लाम धर्म कबूल नहीं करोगे तो कत्ल कर दिए जाओगे। भाई मतिदास ने जवाब दिया कि शरीर तो नश्वर है और आत्मा का कभी कत्ल नहीं हो सकता। यह सुनकर औरंगजेब ने मतिदास को जिंदा ही आरे से चीर देने का हुक्म दिया।

औरंगजेब के फरमान पर जल्लादों ने भाई मतिदास को दो तख्तों के बीच एक शिकंजे में बाधकर उनके सिर पर आरा रखकर आरे से चीर दिया और उनकी बोटी-बोटी काट दी लेकिन जब भाई मतिदास को आरे से चीरा जाने लगा, तब भी वे भयभीत हुए बिना 'श्री जपुजी साहिब' का पाठ करते रहे। अगली बारी थी भाई दयालदास की लेकिन उन्होंने भी जब दो टूक लहजे में इस्लाम धर्म कबूल करने से इन्कार कर दिया तो औरंगजेब ने उन्हें गर्म तेल के कड़ाह में डालकर उबालने का हुक्म दिया। सैनिकों ने उसके हुक्म पर उनके हाथ-पैर बांधकर उबलते हुए तेल के कड़ाह में डालकर उन्हें बड़ी दर्दनाक मौत दी लेकिन भाई दयालदास भी अपने अंतिम श्वांस तक 'श्री जपुजी साहिब' का पाठ करते रहे। अगली बारी थी भाई सतीदास की लेकिन उन्होंने भी दृढ़ता से औरंगजेब का इस्लाम धर्म अपनाने का फरमान ठुकरा दिया तो उस आततायी क्रूर मुगल शासक ने दरिंदगी की सारी हदें पार करते हुए उन्हें कपास से लपेटकर जिंदा जला देने का हुक्म दिया। भाई सतीदास का शरीर धू-धूकर जलने लगा लेकिन वे भी निरंतर 'श्री जपुजी साहिब' का पाठ करते रहे।

22 नवम्बर 1675 के दिन औरंगजेब के आदेश पर काजी ने गुरू तेग बहादुर से कहा कि तुम्हारे सामने तीन ही रास्ते हैं, पहला, इस्लाम कबूल कर लो, दूसरा, करामात दिखाओ और तीसरा, मरने के लिए तैयार हो जाओ। इन तीनों में से तुम्हें कोई एक रास्ता चुनना है। अन्याय और अत्याचार के समक्ष झुके बिना धर्म और आदर्शों की रक्षा करते हुए गुरू तेग बहादुर ने तीसरे रास्ते का चयन किया। जालिम औरंगजेब को यह सब भला कहां बर्दाश्त होने वाला था। उसने गुरू तेग बहादुर का सिर कलम करने का हुक्म सुना दिया। अंततः काजी के इशारे पर जल्लाद ने गुरू तेग बहादुर का सिर धड़ से अलग कर दिया गया, जिसके बाद चारों ओर कोहराम मच गया। इस प्रकार अपने धर्म में अडिग रहने और दूसरों को धर्मान्तरण से बचाने के लिए गुरू तेग बहादुर और उनके तीनों परम प्रिय शिष्यों ने हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। धन्य हैं भारत की पावन भूमि पर जन्म लेने वाले और दूसरों की सेवा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देने वाले उदार चित्त, बहादुर व निर्भीक ऐसे महापुरूष। हिन्दुस्तान तथा हिन्दू धर्म की रक्षा करते हुए शहीद हुए गुरू तेग बहादुर को उसके बाद से ही 'हिन्द की चादर गुरू तेग बहादुर' के नाम से जाना जाता है। (लेखक- योगेश कुमार गोयल / ईएमएस)

आज का इतिहास 21 अप्रैल

1451 बहलोल खान लोदी दिल्ली की गद्दी पर बैठा.
1526 इब्राहिम लोदी और बाबर के बीच पानीपत की लड़ाई हुई थी,जिसमें लोदी मारा गया.
1839 तुर्की ने सीरिया पर हमला किया.
1926 इंग्लैंड की रानी एलिजाबेथ द्वितीय का जन्म हुआ था.
1930 कोलम्बस, ओहिया, अमेरिका में राजकीय सुधारगृह में लगी आग से 317 बन्दियों की मृत्यु और 231 घायल.
1938 उर्दू शायर मुहम्मद इकबाल की मौत.
1966 ह्यूस्टन के एक अस्पताल में एक व्यक्ति में कृत्रिम हृदय का प्रत्यारोपण किया गया.
1972 अपोलो16 के दो अंतरिक्ष यात्रियों ने चांद की सतह पर सात घंटे तक खोजबीन की.
1986 फिलीपींस में सैनिकों ने विद्रोहियों के शिविर पर हमला किया 41 लोग मारे गये.
1987 कोलंबो में बम विस्फोट से 15 मरे.
1997 इंद्रकुमार गुजराल ने अपने 34 मंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री पद की शपथ ली.
2002 गुजरात में एक बार फिर बड़े पैमाने पर हिंसा,13 मरे व 100 घायल.
2005 वड़ोदरा और गोधरा स्टेशनों के बीच समलाया गांव में साबरमती एक्सप्रेस के एक खड़ी मालगाड़ी से टकरा जाने से लगभग 20 लोगों की मौत हो गई.

क्या बहरे हुए ईश्वर-अल्लाह?

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह अच्छी पहल की है कि सभी धार्मिक जुलूस बिना सरकारी अनुमति के नहीं निकाले जाएं। उन्होंने दंगाइयों के अवैध मकान गिराने की जो पहल की थी, उसका अनुकरण भी कई राज्य कर रहे हैं। अब इस नई पहल को भी सभी राज्यों में क्यों नहीं लागू किया जाना चाहिए? कई बार ऐसा होता है कि दो धर्मो के त्यौहार एक ही दिन आ जाते हैं। ऐसे में दोनों के जुलूसों में लट्ठ बजने लगते हैं। वे उस त्यौहार को भूल जाते हैं। वे भक्त के वेश में जानवरपना करने लगते हैं। जब तक पुलिसवाले पहुंचें, तब तक तोड़-फोड़, मारपीट और खून-खराबा शुरु हो जाता है। अगर जुलूसों के लिए पहले से अनुमति का प्रावधान कड़ाई से लागू हो तो उसमें हथियार और डंडे वगैरह ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा और पुलिस पहले से सचेत रहेगी। यह नियम सभी धर्मो के अनुयायियों पर एक समान लागू होगा। इस तरह के जो जुलूस वगैरह निकलते हैं, उनमें भी लाउडस्पीकर वगैरह इतनी ज़ोर-जोर से लगातार नहीं बजना चाहिए कि वह लोगों के लिए सिरदर्द बन जाए। यह भी जरुरी है कि उन जुलूसों की भीड़ रास्तों को देर तक रोके नहीं, बाजारों को घंटों बंद न करे और किसी प्रकार की लूटमार या तोड़फोड़ न करे। यदि ऐसी व्यवस्था सभी राज्यों में लागू हो जाए तो हिंसा और तोड़-फोड़ की घटनाएं एकदम घट जाएंगी। ये नियम सिर्फ धार्मिक जुलूसों पर ही नहीं, सभी प्रकार के जुलूसों पर लागू किए जाने चाहिए। इसके अलावा मस्जिदों, मंदिरों और गुरुद्वारों से आनेवाली भौंपुओं की कानफोड़ आवाजों पर भी उत्तरप्रदेश सरकार ने कुछ नियंत्रणों की घोषणा की है। भौंपुओं, घंटा-घड़ियालों, लाउडस्पीकरों की आवाज आजकल इतनी तेज होती है कि घरों, बाजारों और दफ्तरों में सहज भाव से काम करते रहना मुश्किल हो जाता है। शायद भक्त लोग अपनी आवाज भगवान तक पहुंचाने के फेर में पड़े रहते हैं। कबीरदास ने इस प्रवृत्ति पर क्या खूब टिप्पणी की है:

कांकर-पाथर जोड़ के मस्जिद लई चुनाय।
ता चढ़ि मुल्ला बांग दे, बहिरा हुआ खुदाय॥

पता नहीं, भक्त लोग इतनी कानफोडू आवाज़ के प्रेमी क्यों होते हैं? क्या उन्हें पता नहीं कि उनके आराध्य राम और कृष्ण, मूसा और ईसा, मुहम्मद और गुरु नानक ने कभी लाउडस्पीकार का इस्तेमाल ही नहीं किया? क्या उनकी आवाज ईश्वर और अल्लाह तक नहीं पहुंची होगी? अब क्या ईश्वर या अल्लाह बहरे हो गए हैं? जिन भक्तों को वेदमंत्र या बाइबिल की वर्स या कुरान की आयत या गुरुवाणी सुननी होगी, वे उसे शांतिपूर्वक बड़े प्रेम से सुनेंगे। जो लोग दूसरों को सुनाने के लिए कानफोडू आवाज का आयोजन करते हैं, उनके बारे में हमें यही संदेह होता है कि वे खुद भी उस आवाज को सुनते हैं या नहीं? ऐसे लोग दूसरों के साथ-साथ खुद का भी नुकसान करते हैं। (डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

खेल-समाचार

आरबीआई ने आरसीबी को वरीय शेयरों, ऋण साधनों से धन जुटाने की दी अनुमति

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्रामीण सहकारी बैंकों (आरसीबी) को अपने परिचालन क्षेत्र के लोगों या मौजूदा शेयरधारकों से विभिन्न उपकरणों के जरिये धन जुटाने की अनुमति दे दी है। आरबीआई ने कहा कि आरसीबी, जिसमें राज्य सहकारी बैंक और जिला केंद्रीय सहकारी बैंक शामिल हैं, अब वरीय शेयरों और ऋण साधनों से धन जुटा सकते हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि संशोधित बैंकिंग नियमन अधिनियम के दायरे में ग्रामीण सहकारी बैंकों के आने के बाद उनकी समीक्षा की जा रही है। आरबीआई के अनुसार आरसीबी ऋण साधनों के जरिये भी धन जुटा सकते हैं, जिसमें टियर-1 की पूंजी में शामिल करने के लिए पात्र स्थायी ऋण साधन और टियर-2 की पूंजी में शामिल करने के लिए पात्र दीर्घकालिक अधीन बांड की जरुरत होगी।

आयातित कोयले की उच्च कीमत का भार उपभोक्ताओं पर डाल सकता है बिजली मंत्रालय

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू कोयले के संकट की वजह और बिजली संकट गहराने की बढ़ती आशंका के बीच बिजली मंत्रालय ने उच्च कीमत वाले आयातित कोयले का भार उपभोक्ताओं पर ही डालने की राय का समर्थन किया है। केंद्रीय बिजली सचिव आलोक कुमार ने कहा कि दिसंबर 2022 तक कुछ कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों के लिए आयातित कोयले पर आने वाली उच्च लागत का भार उपभोक्ताओं पर डालने देने पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि अगर आयातित कोयले पर आधारित बिजली संयंत्र पूरी क्षमता से नहीं चलेंगे, तो बिजली की बढ़ती मांग के कारण घरेलू कोयला आधारित इकाइयों पर दबाव पड़ेगा। इससे बिजली की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी क्योंकि अडानी समूह, टाटा पावर और एस्सार जैसी आयातित कोयला आधारित इकाइयां बिजली पैदा करने और राज्य वितरण कंपनियों को बेचने में सक्षम होंगी। इस महीने की शुरुआत में बिजली मंत्री आरके सिंह की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में एस्सार के 1,200 मेगावाट के सलाया संयंत्र और मुंद्रा में अडाणी के 1,980 मेगावाट संयंत्र जैसी इकाइयों को शामिल करते हुए आयातित कोयले की ऊंची लागत को उपभोक्ताओं पर ही डालने को लेकर सहमति बनी थी।

भारत का चीनी उत्पादन बढ़कर 3.5 करोड़ टन रह सकता है: सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का चीनी उत्पादन सितंबर, 2022 में समाप्त होने वाले चालू विपणन सत्र में 13 प्रतिशत बढ़कर 3.5 करोड़ टन रह सकता है। इस दौरान चीनी निर्यात 95 लाख टन रहने की संभावना है। खाद्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि पिछले साल का 92,480 करोड़ रुपए का करीब 99.5 प्रतिशत गन्ने का बकाया चुका दिया गया है। इसके अलावा चालू साल के लिए भी किसानों को गन्ने का 80 प्रतिशत बकाया दे दिया गया है। खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय की अध्यक्षता में हाल ही में यहां डिजिटल तरीके से राज्यों के गन्ना आयुक्तों के साथ हुई बैठक में चीनी की उपलब्धता और निर्यात की स्थिति का आकलन किया गया। मंत्रालय ने कहा कि संशोधित अनुमान के अनुसार 2021-22 के विपणन सत्र में चीनी का उत्पादन 3.5 करोड़ टन रहने का अनुमान है। यह आंकड़ा एथनॉल के लिए 35 लाख टन चीनी निकालने के बाद है। बताया गया है ?कि चीनी उत्पादन घरेलू खपत 2.78 करोड़ टन से कहीं अधिक रहने का अनुमान है। 2021-22 के विपणन वर्ष की शुरुआत में चीनी का पिछला भंडार 85 लाख टन था। मंत्रालय ने कहा कि देश में चीनी की उपलब्धता घरेलू मांग को पूरा करने की दृष्टि से पर्याप्त है।

बार्टी अब अंतरराष्ट्रीय गोल्फ मुकाबले खेलती नजर आयेंगी

ब्रिसबेन (ईएमएस)। हाल ही में टेनिस से संन्यास लेने वाली ऑस्ट्रेलियाई महिला स्टार खिलाड़ी एश्ले बार्टी अब गोल्फ खेलती हुई नजर आयेंगी। बार्टी ने कहा है कि अब वह अंतरराष्ट्रीय गोल्फ मुकाबले खेलेंगी। बार्टी को न्यूजर्सी में लिबर्टी नेशनल गोल्फ क्लब पर आइकंस सीरिज टूर्नामेंट में अर्नी एल्स रेस्ट आफ वर्ल्ड टीम में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट 30 जून और एक जुलाई को खेला जाएगा। बार्टी ने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी रहते हुए अचानक ही खेल से संन्यास लेकर सबको हैरान कर दिया था। बार्टी ने जनवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन जीता जबकि पिछले साल विम्बलडन और 2019 में फ्रेंच ओपन जीता था। बार्टी ने कहा था कि अब वह थक गयी हैं और नये खिलाड़ियों को अवसर देना चाहती है।

इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच की दौड़ में पोंटिंग , कर्स्टन शामिल

लंदन (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग आने वाले समय में इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच के रुप में दिख सकते हैं। पोंटिंग अभी आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कोच हैं। ऐसे में संभावना है कि इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) पोंटिंग को कोच बना सकती है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कोच के तौर पर पोंटिंग का नाम सबसे आगे है। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के गैरी कर्स्टन हैं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर महेला जयवर्धने को एकदिवसीय टीम के कोच की जिम्मेदारी दी जा सकती है। महेला अभी आईपीएल में मुंबई इंडियंस के कोच है।

वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि इस समय कोच के तौर पर देखा जाये तो पोंटिंग से बेहतर किसी और का दिमाग नहीं है। वह खेल को इतनी अच्छी तरह से समझते है। वहीं खेल के सभी महान खिलाड़ी अच्छे कोच नहीं बन सकते क्योंकि वह नहीं जानते कि किस प्रकार अपना संदेश खिलाड़ियों तक पहुँचाया जा सकता है। वहीं पोंटिंग इस मामले में बेहद पेशवर हैं।

होल्डर ने अपनी गेंदबाजी से किया प्रभावित

मुंबई (ईएमएस)। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराऊंडर जेसन होल्डर ने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैच में अपनी कसी हुई गेंदबाजी से विरोधी टीम को कोई मौका नहीं दिया। इस दौरान दिनेश कार्तिक और फाफ डु प्लेसिस जैसे बल्लेबाज क्रीज पर थे जिनपर अंकुश लगाना बेहद कठिन होता है। 20वां ओवर फेंकने आए होल्डर ने केवल चार ही रन दिए। उन्होंने फाफ डु प्लेसिस को पेवेलियन भेजा। होल्डर ने 25 रन देकर दो विकेट लिए।

होल्डर ने कहा कि हमारे पास 20वें ओवर के लिए एक विशेष योजना थी जिससे विरोधियों पर दबाव बनाया जा सके। योजना थी। मैंने बड़ी सीमा की ओर गेंदबाजी की और यह फायदेमंद रहा। । वैसे भी यह पिच तेज गेंदबाजों के अनुकूल थी। इसी लिए पावरप्ले में यहां बल्लेबाजी आसान होती है। आप लाइन के माध्यम से हिट कर स्कोरबोर्ड आगे बढ़ा सकते हैं। वहीं बीच के ओवरों में स्पिनरों को निशाना बनाया जा सकता है। आरसीबी के खिलाफ होल्डर का प्रदर्शन पहले से ही अच्छा रहा है। साल 2018 के बाद से ही आरसीबी के खिलाफ आंकड़े देखें जाएं तो उन्होंने केवल 7 मैचों में 11 विकेट लिए हैं।

सालाह के गोल से लिवरपूल ने मैनचेस्टर यूनाईटेड को 4-0 से हराया

लंदन (ईएमएस)। मोहम्मद सालाह के दो गोलों की सहायता से इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में लिवरपूल ने मैनचेस्टर यूनाईटेड को 4-0 से हरा दिया। इसी के साथ ही लीवरपूल एक बार फिर से फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंच गयी है। इस मैच में डियाज ने शुरुआती 5वें मिनट में ही एक गोल कर अपनी टीम लिवरपूल को बढ़त दिला दी थी। इसके बाद सालाह ने 22वें मिनट में एक गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। माने ने 68वें मिनट में टीम की ओर से तीसरा गोल किया जिसमें डियाज ने उनकी सहायता की।

सालाह ने डियाज की जगह मैदान में उतरे डिएगो जोटा की सहायता से 85वें मिनट में दूसरा गोल किया। इस जीत से लिवरपूल के 32 मैचों में 76 अंक हो गये हैं और वह मैनचेस्टर सिटी को पीछे छोड़कर शीर्ष पर पहुंच गया है। वहीं सिटी के 31 मैचों में 74 अंक हैं।

कैंपबेल कोमा से बाहर आये

लंदन (ईएमएस)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और नीदरलैंड की पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रेयान कैंपबेल की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है हालांकि अब वह कोमा से बाहर आ गये हैं। कैंपबेल को दिल का दौरा पड़ने के बाद यहां के एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में रखा गया था। इंग्लैंड में अपने परिवार के साथ रह रहे कैंपबेल को सीने में दर्द और सांस लेने में कठिनाई महसूस हुई थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कैंपबेल के भाई मार्क के एक बयान के आधार पर कहा कि डॉक्टरों ने बताया है कि उनके मस्तिष्क को किसी तरह की क्षति नहीं पहुंची है।

अब तक यूक्रेन से 50 लाख लोगों का पलायन, यूएन ने दी जानकारी

-इन लोगों में से आधे से अधिक, करीब 28 लाख पहले पोलैंड भाग गए

बर्लिन(ईएमएस)।संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी का कहना है कि 24 फरवरी को रूसी आक्रमण शुरू होने के बाद से अब तक 50 लाख से अधिक लोग यूक्रेन से पलायन कर चुके हैं। शरणार्थियों के लिए जिनेवा स्थित यूएनएचसीआर ने बुधवार को शरणार्थियों की कुल संख्या 50 लाख 10 हजार बताई। इन लोगों में से आधे से अधिक, करीब 28 लाख सबसे पहले पोलैंड भाग गए। उनमें से बहुत से लोग हालांकि वहां रुके हैं, लेकिन काफी लोगों के वहां से आगे चले जाने की सूचना है। इनकी सटीक संख्या की जानकारी हालांकि नहीं है। यूरोपीय संघ के भीतर सीमा जांच चौकियां कम हैं। यूएनएचसीआर ने 30 मार्च को कहा था कि 40 लाख लोग यूक्रेन से भाग गए हैं। युद्ध की शुरुआत की तुलना में हाल के हफ्तों में पलायन कुछ धीमा था। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि शरणार्थियों के अलावा,यूक्रेन के भीतर 70 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। युद्ध से पहले यूक्रेन की जनसंख्या चार करोड़ चालीस लाख थी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में यह उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रिज, इन्फोसिस, टीसीएस, एचडीएफसी लिमिटेड तथा एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भारी खरीददारी से आई है। इसके साथ ही पिछले पांच कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर रोक लगी है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 574.35 अंक करीब 1.02 फीसदी की बढ़त के साथ ही 57,037.50 अंक पर बंद हुआ। एक समय यह 753.36 अंक तकरीबन 1.33 फीसदी बढ़ा है। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 177.90 अंक तकरीबन 1.05 फीसदी की बढ़त के साथ ही 17,136.55 अंक पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार निचले स्तर पर हुई खरीददारी से बाजार को बल मिला है, उसी कारण वह ऊपर आया है। एक ओर जहां विदेशी निवेशक बाजार से पैसा निकाल रहे थे, वहीं बाजार को घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) से बल मिला है। सेंसेक्स के शेयरों में से अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर लि., भारती एयरटेल, एचडीएफसी और डॉ. रेड्डीज प्रमुख रूप से लाभ में रहे। वहीं बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील और आईटीसी नीचे आये हैं।

पंजाब पर शानदार जीत से दिल्ली को फायदा, गुजरात टाप पर कायम

नई दिल्ली इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में सभी टीमें ने 6 या इससे अधिक मैच खेल लिए हैं। 10 टीमों के बीच चल रही एक ट्राफी पाने की जंग अब धीरे धीरे और भी रोमांचक हो रही है। सभी टीमों के जीत का खाता खुल चुका है लेकिन मुंबई को अब तक पहली जीत का इंतजार है। बुधवार को दिल्ली की पंजाब पर जीत के बाद अंक तालिका में एक बार फिर बदलाव हुआ।

गुजरात की टीम 6 मैच में 5 जीत से 10 अंक लेकर पहले स्थान पर बनी हुई है। दूसरे स्थान पर काबिज राजस्थान मंगलवार को हुए बैंगलोर और लखनऊ के मुकाबले के बाद तीसरे नंबर पर खिसक गई। 7 मैच खेल चुकी फाफ डु प्लेसिस की टीम ने 5वीं जीत के साथ 10 अंक हासिल कर चौथे से दूसरे नंबर पर जगह बनाई। राजस्थान के पास 6 मैच में चार जीत से 8 अंक हैं। चौथा स्थान लखनऊ की टीम को हासिल है उसके पास 7 मैचों के बाद 4 जीत से 8 अंक ही है।

टूर्नामेंट की शुरुआत दो लगातार हार से करने वाली हैदराबाद की टीम ने जोरदार वापसी करते हुए पिछले चार लगातार मुकाबले में जीत हासिल की है। इस धमाकेदार प्रदर्शन के दम पर वह अंक तालिका में अब पांचवें स्थान पर पहुंच चुकी है। दिल्ली ने बुधवार को पंजाब के खिलाफ शानदार जीत हासिल कर कोलकाता को छठे से सातवें नंबर पर धकेल दिया। 6 मैच से अब उसके खाते में 3 जीत से 6 अंक हो गए। कोलकाता ने 7 मैच खेलकर 3 जीत हासिल की है। 8वें नंबर पर बदलाव हुआ है और दिल्ली से मिली हार की वजह से पंजाब 7 वें से आठवें नंबर पर फिसल गई। 9वें और 10वें नंबर पर क्रमशः चेन्नई और मुंबई की टीम है।

भारत की प्राथमिकताओं में क्रिप्टो संपत्ति का विनियमन, डिजिटल मुद्रा शामिलः आईएमएफ

वाशिंगटन (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के एक व?ष्ठि अधिकारी ने कहा कि भारत के लिए मध्यावधि की प्राथमिकताओं में क्रिप्टो संपत्ति का विनियमन और डिजिटल मुद्रा शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा बैंकिंग क्षेत्र में शेष नियामक चिंताओं को दूर करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ एकीकरण जैसे संरचनात्मक मुद्दों पर भी भारत खास जोर दे रहा है। कुल मिलाकर आईएमएफ भारत को एक बेहद सकारात्मक तरीके से देख रहा है। उन्होंने आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक वसंत बैठक के मौके पर कहा ?कि मुझे लगता है कि कई अवसर हैं। भारत में पुनरुद्धार हो रहा है। नए वृद्धि के अवसरों, नए विकास के बारे में बहुत उत्साह है। उन्होंने कहा ?कि हम हमेशा मानते हैं कि विकास समावेशी है, और सभी लोगों को प्रभावित कर रहा है, लेकिन भारत को लेकर हमारा सामान्य नजरिया काफी सकारात्मक है। भारत के एजेंडे में क्रिप्टो करेंसी परिसंपत्तियों को विनियमित करना काफी ऊपर है। ऐसा वो आने वाले वर्षों में इसका समाधान तलाशना होगा। भारत का केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्राओं पर विचार कर रहा है, जो वित्तीय समावेशन और वित्तीय विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। उन्होंने कहा ?कि भारत क्या कर रहा है, इस पर हमारी नजर है। हम इन नीतिगत घटनाक्रमों का स्वागत करते हैं।

आईएमएफ ने भारत की ग्रोथ रेट और वैश्विक ग्रोथ रेट का अनुमान घटाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। विश्व बैंक के बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी वर्ष 2022 के लिए भारत के विकास दर अनुमान को घटा दिया है। आइएमएफ की तरफ से हाल ही में जारी की गई रिपोर्ट में इस वर्ष के लिए भारत की इकोनॉमी में 8.2 फीसद की वृद्धि दर होने का अनुमान लगाया है। पहले 9 फीसद वृद्धि दर का अनुमान था। हालांकि नए आकलन में वृद्धि दर की रफ्तार घटने के बावजूद भारतीय इकोनॉमी चीन के मुकाबले तकरीबन दोगुनी रफ्तार से आगे बढ़ेगी। आइएमएफ ने इस वर्ष चीन की इकोनोमी की वृद्धि दर 4.4 फीसद रहने की बात कही है। वैश्विक इकोनॉमी की वृद्धि दर अनुमान को भी आइएमएफ ने 6.1 फीसद से घटा कर 3.6 फीसदी कर दिया है। विश्व बैंक ने भी पिछले हफ्ते भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अपने अनुमानों को घटा दिया था। आइएमएफ की रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2023 में भारत की विकास दर घट कर 6.9 फीसद पर आ जाएगी। जबकि वर्ष 2021 में देश की विकास दर 8.9 फीसद रही थी। आइएमएफ ने यूक्रेन-रूस के अलावा खाद्य उत्पादों की कीमतों में भारी वृद्धि को भी एक बड़ी वजह बताया है। अब जबकि क्रूड की कीमतें काफी बढ़ गई हैं तो इनकी विकास दर प्रभावित होने की संभावना बन गई है। कई घरेलू एजेंसियों ने भी भारत की विकास दर के अनुमान को कम किया है। अगर चीन से तुलना करें तो आइएमएफ के अनुमान के सही रहने की स्थिति में भारत आर्थिक मोर्चे पर चीन के मुकाबले इतनी तेजी से कभी आगे नहीं बढ़ा है। आइएमएफ का मानना है कि वर्ष 2021 में 8.1 फीसद की विकास दर हासिल करने वाला चीन वर्ष 2022 में सिर्फ 4.4 फीसद की वृद्धि दर ही हासिल कर सकेगा। वर्ष 2023 में यह घट कर 5.1 फीसद रह जाएगा।

आरबीआई ने आरसीबी को वरीय शेयरों, ऋण साधनों से धन जुटाने की दी अनुमति

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्रामीण सहकारी बैंकों (आरसीबी) को अपने परिचालन क्षेत्र के लोगों या मौजूदा शेयरधारकों से विभिन्न उपकरणों के जरिये धन जुटाने की अनुमति दे दी है। आरबीआई ने कहा कि आरसीबी, जिसमें राज्य सहकारी बैंक और जिला केंद्रीय सहकारी बैंक शामिल हैं, अब वरीय शेयरों और ऋण साधनों से धन जुटा सकते हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि संशोधित बैंकिंग नियमन अधिनियम के दायरे में ग्रामीण सहकारी बैंकों के आने के बाद उनकी समीक्षा की जा रही है। आरबीआई के अनुसार आरसीबी ऋण साधनों के जरिये भी धन जुटा सकते हैं, जिसमें टियर-1 की पूंजी में शामिल करने के लिए पात्र स्थायी ऋण साधन और टियर-2 की पूंजी में शामिल करने के लिए पात्र दीर्घकालिक अधीन बांड की जरुरत होगी।

भारत का चीनी उत्पादन बढ़कर 3.5 करोड़ टन रह सकता हैः सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का चीनी उत्पादन सितंबर, 2022 में समाप्त होने वाले चालू विपणन सत्र में 13 प्रतिशत बढ़कर 3.5 करोड़ टन रह सकता है। इस दौरान चीनी निर्यात 95 लाख टन रहने की संभावना है। खाद्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि पिछले साल का 92,480 करोड़ रुपए का करीब 99.5 प्रतिशत गन्ने का बकाया चुका दिया गया है। इसके अलावा चालू साल के लिए भी किसानों को गन्ने का 80 प्रतिशत बकाया दे दिया गया है। खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय की अध्यक्षता में हाल ही में यहां डिजिटल तरीके से राज्यों के गन्ना आयुक्तों के साथ हुई बैठक में चीनी की उपलब्धता और निर्यात की स्थिति का आकलन किया गया। मंत्रालय ने कहा कि संशोधित अनुमान के अनुसार 2021-22 के विपणन सत्र में चीनी का उत्पादन 3.5 करोड़ टन रहने का अनुमान है। यह आंकड़ा एथनॉल के लिए 35 लाख टन चीनी निकालने के बाद है। बताया गया है ?कि चीनी उत्पादन घरेलू खपत 2.78 करोड़ टन से कहीं अधिक रहने का अनुमान है। 2021-22 के विपणन वर्ष की शुरुआत में चीनी का पिछला भंडार 85 लाख टन था। मंत्रालय ने कहा कि देश में चीनी की उपलब्धता घरेलू मांग को पूरा करने की दृष्टि से पर्याप्त है।

आयातित कोयले की उच्च कीमत का भार उपभोक्ताओं पर डाल सकता है बिजली मंत्रालय

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू कोयले के संकट की वजह और बिजली संकट गहराने की बढ़ती आशंका के बीच बिजली मंत्रालय ने उच्च कीमत वाले आयातित कोयले का भार उपभोक्ताओं पर ही डालने की राय का समर्थन किया है। केंद्रीय बिजली सचिव आलोक कुमार ने कहा कि दिसंबर 2022 तक कुछ कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों के लिए आयातित कोयले पर आने वाली उच्च लागत का भार उपभोक्ताओं पर डालने देने पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि अगर आयातित कोयले पर आधारित बिजली संयंत्र पूरी क्षमता से नहीं चलेंगे, तो बिजली की बढ़ती मांग के कारण घरेलू कोयला आधारित इकाइयों पर दबाव पड़ेगा। इससे बिजली की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी क्योंकि अडानी समूह, टाटा पावर और एस्सार जैसी आयातित कोयला आधारित इकाइयां बिजली पैदा करने और राज्य वितरण कंपनियों को बेचने में सक्षम होंगी। इस महीने की शुरुआत में बिजली मंत्री आरके सिंह की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में एस्सार के 1,200 मेगावाट के सलाया संयंत्र और मुंद्रा में अडाणी के 1,980 मेगावाट संयंत्र जैसी इकाइयों को शामिल करते हुए आयातित कोयले की ऊंची लागत को उपभोक्ताओं पर ही डालने को लेकर सहमति बनी थी।

अमेरिका और भारत का संबंध प्रगाढ़, चुनौतीपूर्ण समय में वैश्विक व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा

वाशिंगटन (ईएमएस)। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अमेरिका और भारत का संबंध प्रगाढ़ है, इस चुनौतीपूर्ण समय में वैश्विक व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा। सीतारमण ने कहा कि यह ऐसा समय है, जब इन दो बड़े लोकतांत्रिक देशों को अपना उचित स्थान मिला है, वे एक-दूसरे के साथ काम करने में सहज हैं। सीतारमण ने कहा कि अमेरिका-भारत संबंध प्रगाढ़ हैं, इससे वैश्विक व्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा, हालांकि वैश्विक व्यवस्था अपने आप में एक ऐसी चीज है, जिसे हमें नए सिरे से देखना होगा। आज बहुपक्षीय संस्थान वास्तव में उतने मजबूत... नहीं हैं, जितने कि वे एक समय में थे। सीतारमण ने कहा, ''समय बदल रहा है। मुझे लगता है, अमेरिका और भारत के बीच इस तरह के संबंध सकारात्मक विकास के संकेत हैं। क्रिप्टो करेंसी के नियमन के बारे में उन्होंने कहा कि इसमें कुछ समय लगेगा,क्योंकि सरकार व्यापक स्तर पर विचार-विमर्श के आधार पर कायदे-कानून बनाने की कोशिश कर रही है।

रूसी सेना दुनिया की सबसे बर्बर सेना : जेलेंस्की

कीव (ईएमएस)। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूसी सेना को दुनिया की सबसे बर्बर सेना करार दिया है। जेलेंस्की ने कहा कि रूसी सैनिकों के पास जो भी हथियार उपलब्ध हैं, वे यूक्रेन के खिलाफ उन सभी का इस्तेमाल कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा, रूसी सैनिकों ने बर्बरता ही सारी हदें पार कर दी हैं। उन्होंने हर उस व्यक्ति और वस्तु को निशाना बनाया है, जो यूक्रेन के खिलाफ उनके संघर्ष का सामना करने में मददगार हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने केवल सैन्य स्थलों पर हमले करने के रूसी दावों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि रूसी सेना आवासीय क्षेत्रों को लगातार निशाना बनाकर आम नागरिकों की हत्या कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा, युद्ध में रूसी सेना खुद को विश्व इतिहास में दुनिया की सबसे बर्बर और अमानवीय सेना के रूप में दर्ज कर रही है।उन्होंने पश्चिमी देशों से जल्द से जल्द हथियारों की आपूर्ति करने की अपील कर कहा, अगर हमें अभी हथियार मिलते हैं,तब हम उनकी मदद से हजारों लोगों की जान बचा सकते हैं।

भारत हमारा अहम रणनीतिक साझीदार, उसके लिए कुछ भी करने को राजी, जयशंकर सच्चे देशभक्त : लावरोव

मास्को (ईएमएस)। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर की दिल खोलकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर सच्चे देशभक्त हैं। उन्होंने कहा जयशंकर एक अनुभवी राजनयिक हैं। लावरोव ने भविष्य में भारत-रूस द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत होने का भरोसा जताया। उन्होंने कहा रूस पश्चिमी देशों पर कभी भी भरोसा नहीं कर सकता है। रूस के विदेश मंत्री ने कहा कि हमारा देश भारत जैसे देशों के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए पूरी तौर से तैयार है।

अमेरिका ने हाल के कुछ महीनों में रूस के साथ संबंधों को कम करने के लिए भारत पर खूब दबाव बनाया है। हालांकि भारत ने हर बार विदेश नीति में किसी तीसरे देश के हस्तक्षेप को सिरे से खारिज कर दिया है। एक इंटरव्यू में सर्गेई लावरोव ने कहा कि जयशंकर एक अनुभवी राजनयिक और अपने देश के असली देशभक्त हैं। उन्होंने जयशंकर के उस बयान की भी याद दिलाई जिसमें भारतीय विदेश मंत्री ने कहा था कि हम अपने देश के लिए निर्णय इस आधार पर लेंगे कि भारत को अपनी सुरक्षा के लिए क्या करना चाहिए। लावरोव ने कहा कि बहुत सारे देश ऐसा कुछ नहीं कह सकते हैं। दरअसल जयशंकर ने यह बात अमेरिका और रूस में से किसी एक का समर्थन करने के सवाल के जबाव में कही थी। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि रूस खाद्य सुरक्षा, रक्षा या कुछ रणनीतिक क्षेत्रों के लिए अपने किसी भी पश्चिमी सहयोगी पर भरोसा नहीं कर सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि रूस उन देशों के साथ संबंध बनाने के लिए तैयार है, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उल्लंघन में अवैध, नाजायज प्रतिबंधों का इस्तेमाल नहीं करते हैं और भारत उनमें से है। हम द्विपक्षीय सहयोग करते हैं। भारत-रूस संबंधों के बारे में बात करते हुए लावरोव ने कहा कि भारत हमारा पुराना दोस्त है। हमने बहुत पहले अपने रिश्ते को 'रणनीतिक साझेदारी' कहा था। फिर करीब 20 साल पहले भारत ने कहा था कि हम इसे 'विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' क्यों नहीं कहते? और कुछ समय बाद भारत ने कहा इसे 'विशेष रूप से विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' कहा जाएगा। यह किसी भी द्विपक्षीय संबंध का अनूठा उदाहरण है।

लावरोव ने कहा कि रूस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया इनिशिएटिव का समर्थन किया है। हमने भारत के साथ मिलकर कई उत्पादों का स्थानीय उत्पादन करना शुरू किया है। हम टेक्नोलॉजी ट्रांसफर भी कर रहे हैं। सर्गेई लावरोव ने दृढ़ता दिखाते हुए कहा कि रूस भारत को रक्षा क्षेत्र में जो भी चाहिए, उसे दे सकता है। हम भारत को कुछ भी प्रदान कर सकते हैं।

चीन ने सोलोमन द्वीप के साथ किया विवादास्पद 'सुरक्षा समझौता', चिंता में पड़े अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया

मेलबोर्न (ईएमएस)। चीन ने दुनियाभर से हो रही आलोचनाओं को धता बताते हुए दक्षिणी प्रशांत महासागर में सैन्य दबदबा कायम करने के लिहाज से कदम बढ़ाए है। चीन ने प्रशांत महासागर के छोटे से द्वीप सोलोमन के साथ विवादास्पद सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किया है। ऐसा पहली बार है जब चीनी सेना पीएलए ऑस्ट्रेलिया की सीमा से मात्र 2 हजार किमी दूर पहुंचने जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया और पश्चिमी देशों को आशंका है कि चीन सोलोमन द्वीप पर सैन्य अड्डा बना सकता है। इससे पहले चीन ने अफ्रीका के जिबूती में सैन्य अड्डा बनाकर दुनिया को अपनी ताकत का अहसास कराया था। चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा दोनों देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। इससे दो दिन पहले एक अमेरिकी दल सोलोमन द्वीप पहुंचा था ताकि सोलोमन द्वीप की चीन समर्थक सरकार को चेतावनी दी जा सके। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा किाॆ इस समझौते का उद्देश्य सामाजिक स्थिरता और सोलोमन द्वीप पर लंबे समय तक शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना है।

चीन ने कहा कि यह समझौता सोलोमन द्वीप और दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के साझा हित की दिशा में ही है। चीन ने इस समझौते की शर्तों के बारे में खुलासा नहीं किया है लेकिन सोलोमन द्वीप की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस समझौते 31 मार्च को हुआ है और इसे बाद में पुष्टि की जाएगी। ऑस्ट्रेलिया व अमेरिका को डर है चीन पूरे प्रशांत महासागर में सैन्य अड्डे बनाने का प्रयास करेगा।

इन दोनों ही देशों ने सोलोमन द्वीप के प्रधानमंत्री मानस्सेह सोगावरे से अपील की थी कि वह इस समझौते को रद्द कर दें। सोलोमन द्वीप के पीएम मानस्सेह सोगावरे ने उनकी बात मानने की बजाय अमेरिका की आलोचना को ही 'अपमानजनक' करार दिया है। चीन ने दावा किया है कि यह समझौता सार्वजनिक, पारदर्शी और समन्वय पर आधारित है। यह किसी तीसरे देश को लक्ष्य करके नहीं किया गया है। वहीं अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि यह चीन के लिए प्रशांत महासागर में आक्रामकता दिखाने के लिए रास्ते खोल देगा। लिबरल पार्टी के सांसद माइकल सुक्कार ने कहा कि इस समझौते का 'महत्वपूर्ण असर' होगा।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि यह डील क्षेत्र को 'अस्थिर' करेगी। उन्होंने कहा कि सोलोमन द्वीप की सरकार के वादे के बावजूद सुरक्षा समझौते का विस्तृत मसौदा चीन की सेना के तैनाती के दरवाजे खोलता है। अमेरिका ने चीन के दांव को फेल करने के लिए 29 साल बाद अपने दूतावास को फिर से खोल दिया है।

चीनी निर्यात रिकॉर्ड 95 लाख टन रहने की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार का कहना है ?कि अक्टूबर में शुरू हुए चालू विपणन सीजन में भारत से चीनी का निर्यात रिकॉर्ड 95 लाख टन रहने की उम्मीद है, लेकिन इससे शायद घरेलू कीमतों में तेज इजाफा न हो, क्योंकि उत्पादन उम्मीद से बेहतर होने के आसार हैं। सरकार ने कहा है कि वर्ष 2021-22 में चीनी उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में करीब 13 प्रतिशत अधिक 3.5 करोड़ टन होने की उम्मीद है, जबकि वर्ष की शुरुआत में स्टॉक तकरीब 85 लाख टन रहने का अनुमान है। इसका मतलब यह है कि वर्ष 2021-22 में चीनी की कुल उपलब्धता 4.35 लाख टन रहेगी। वर्ष के दौरान इसमें से करीब 2.78 करोड़ टन की घरेलू खपत होगी, जबकि 95 लाख टन चीनी का निर्यात किया जाएगा। सरकार ने कहा है कि इस तरह चीनी की आसान उपलब्धता होगी और घरेलू बाजार में चीनी के दाम उचित स्तर पर स्थिर रहने की उम्मीद है।

पुलिस की गोलीबारी में घायल 13 प्रदर्शनकारियों में तीन की हालत गंभीर, राष्ट्रपति ने घटना पर जताया दुःख

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका के दक्षिण पश्चिमी रामबुक्काना क्षेत्र में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोलीबारी में एक शख्स की मौत और 13 लोगों के जख्मी होने के बाद लगाया गया कर्फ्यू बुधवार को भी जारी रहा। पुलिस गोलीबारी में घायल 13 लोगों में तीन की हालत गंभीर है। पुलिस ने ईंधन की कीमत में फिर से बढ़ोतरी करने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई थी।

राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने कहा कि वह घटना को लेकर बेहद दुखी हैं। उन्होंने कहा नागरिकों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के अधिकार में बाधा नहीं डाली जाएगी। राष्ट्रपति ने ट्वीट किया, श्रीलंकाई नागरिकों के शांतिपूर्वक विरोध करने के अधिकार में बाधा नहीं डाली जाएगी। श्रीलंका की पुलिस रामबुक्काना की घटना की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच करेगी। घटना को लेकर मैं बहुत दुखी हूं। मैं सभी नागरिकों से आग्रह करता हूं कि वे प्रदर्शन करने के दौरान हिंसा से दूर रहें।

प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने कहा कि वह रामबुक्काना में हुई हिंसा से बहुत व्यथित हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि पुलिस इस मामले में सख्त और निष्पक्ष जांच करेगी। उन्होंने कहा रामबुक्काना में हुई घटना से बेहद व्यथित हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि श्रीलंका पुलिस सख्त, निष्पक्ष जांच करेगी, जिन्होंने हमेशा पूरे सम्मान के साथ श्रीलंका के लोगों की सेवा की है। अधिकारियों के अनुसार, रामबुक्काना के केगाले अस्पताल में भर्ती कराए गए 13 प्रदर्शनकारियों में से कम से कम तीन की हालत गंभीर है। घटना में 15 पुलिस कर्मी भी घायल हुए हैं।

पुलिस प्रमुख चंदन विक्रमरत्ने ने बताया कि इलाके में लगाया गया कर्फ्यू जारी रहेगा। उन्होंने कहा प्रदर्शनकारी कल हिंसक हो गए थे और उन्होंने रेल की पटरियों को जाम कर दिया था। वह पुराने दामों पर ही ईंधन दिए जाने की मांग कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने दो 'ईंधन टैंकर' की व्यवस्था की, तो प्रदर्शनकारियों ने रेल की पटरियों को अवरुद्ध करते हुए एक वाहन की बैटरी निकाल ली।

पुलिस प्रमुख ने कहा पुलिस ने न्यूनतम बल का इस्तेमाल करते हुए आंसू गैस के गोले दागे। जन सुरक्षा मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी जगत अलविस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने 33,000 लीटर ईंधन से भरे टैंकर को आग लगाने की कोशिश की। भीड़ को ऐसा करने से रोकने के लिए पुलिस को मजबूरन गोलियां चलानी पड़ी।

रूस के लिए नाक का सवाल बना डोनबास, 'विक्ट्री डे परेड' से पहले इस पर हासिल करना चाहता है फतह

कीव (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन का युद्ध 56 दिनों से लगातार जारी है। इस युद्ध में रूस ने जितना सोचा था उसे उतनी कामयाबी मिलती नहीं दिख रही है। रूस यूक्रेन की राजधानी कीव पर तो कब्जा नहीं कर पाया, इसके उलट उसे कई स्तर पर नुकसान झेलना पड़ा है। बड़ी संख्या में रूस के सैनिक इस युद्ध में मारे गए हैं। इसके साथ ही उसका बहुमूल्य युद्धपोत मोस्कवा भी डूब गया, जिसके बाद अब व्लादिमीर पुतिन ने पूरी तरह अपना फोकस दोनबास क्षेत्र पर केंद्रित कर लिया है।

रूस ने दोनबास पर दूसरा बड़ा हमला सोमवार से शुरू कर दिया है। रूस युद्ध की शुरुआत से ही यहां मजबूत स्थिति में है, ऐसे में यूक्रेन को इस क्षेत्र पर फिर से कब्जा करने के लिए बड़ा नुकसान झेलने के लिए तैयार रहना होगा। रूसी सैनिक बेलगोरोड के दक्षिण से यूक्रेन की सेना को पीछे से घेरने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि वह मारियुपोल के पास उत्तर की ओर बढ़ने वाले रूसी सैनिकों की मदद कर सकें। यहां यूक्रेन ने रूस को कड़ी टक्कर दी है, जिसके कारण रूसी सैनिक कई हफ्तों से वहीं फंसे हैं।

दोनबास यूक्रेन का सबसे पूर्वी और गरीब क्षेत्र है। यहां कोएले की खदाने जरूर हैं, लेकिन बंजर भूमि है। ऐसे में आपको यह आश्चर्य जरूर होगा कि भला इस क्षेत्र के लिए रूस इतनी ताकत क्यों झोंक रहा है? रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दावा है कि उनका प्रमुख मकसद दोनबास क्षेत्र को यूक्रेन की नाजी सरकार से बचाना है। यह भी एक सच्चाई है कि युद्ध शुरू होने से पहले व्लादिमीर पुतिन ने स्पष्ट कहा था कि वह पूरा यूक्रेन चाहते हैं। रूस को उम्मीद थी कि 72 घंटों में वह यूक्रेन की राजधानी कीव पर कब्जा कर लेगा, जिसके बाद बाकी देश अपने आप अस्थिर हो जाएगा। लेकिन रूस का प्लान हमें फेल होता दिखा है। रूस के सैनिकों को यहां से पीछे भी होना पड़ा, जिसके बाद रूस ने अपनी महत्वाकांक्षा कम कर ली है।

यूक्रेन का दोनबास क्षेत्र दो हिस्सों में बंटा है, एक लुहान्स्क और दूसरा डोनेट्स्क है। हमले से तीन दिन पहले लुहान्स्क और दोनास्क को रूस ने दो नए देशों के रूप में मान्यता दी थी। इसके बाद यहां के बागियों ने खुद को सरकार घोषित करते हुए पुतिन से मदद मांगी, जिसके बाद रूस ने हमला किया, और पूरी दुनिया को इसे मिलिट्री ऑपरेशन बताया। अब पुतिन दोनबास क्षेत्र के उन हिस्सों को जब्त करने की कोशिश कर रहे हैं जो उसके नियंत्रण में नहीं है। इस क्षेत्र में कब्जे के साथ ही पुतिन 9 मई को 'विक्ट्री डे परेड' से पहले रूस के लोगों के सामने इस युद्ध को न्यायोचित दिखाना चाहते हैं। दोनबास क्षेत्र की कुछ ऐसी परिस्थितियां हैं जो रूसी सेना को मदद करेगी। जैसे यहां पहाड़ियां और जंगल कम हैं और ज्यादातर मैदानी क्षेत्र है, जिसके कारण यूक्रेन के सैनिक गुरिल्ला युद्ध नहीं लड़ सकेंगे। यूक्रेन ने गुरिल्ला युद्ध के जरिए ही रूस को काफी नुकसान पहुंचाया है। इसके साथ ही रूस के पास यूक्रेन की तुलना में ज्यादा सैनिक, टैंक, बेहतर फाइटर जेट जैसे उपकरण हैं।

अमेरिका को सौंपे जा सकते हैं असांजे, वहां होगी 175 साल की जेल

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन में निर्वासित जीवन जी रहे विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ब्रिटेन उन्हें अमेरिका को सौंप सकता है। और अगर ऐसा हुआ,तब वहां असांजे को 175 साल की जेल होगी है। दरअसल, ब्रिटेन की अदालत ने जूलियन असांजे को ब्रिटेन से अमेरिका प्रत्यर्पित करने का आदेश दिया है। इसके बाद से संभावनाएं बनी हैं कि उन्हें अमेरिका को सौंपा जा सकता है।

हालांकि अभी असांजे के वकीलों के पास अपने पक्ष में उच्च अदालत में अपील करने का वक्त है। वे 18 मई तक अदालत में अपील कर सकते हैं। वहीं, ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल भी फैसले पर अपना अंतिम निर्णय सुनाने से पहले असांजे के वकीलों का पक्ष सुनेंगी।उसके बाद ही असांजे के प्रत्यर्पण का फैसला होगा। गौरतलब है कि जूलियन असांजे मूल रूप से ऑस्ट्रेलियाई नागरिक हैं।वे अमेरिका में सरकारी गोपनीय दस्तावेज को सार्वजनिक करने का आरोपों का सामना कर रहे हैं। ये दस्तावेज उन्होंने अपने पोर्टल 'विकिलीक्स' पर सार्वजनिक किए थे। इसके बाद अमेरिका ही नहीं, पूरी दुनिया में भारी बवाल मचा था। इन आरोपों में अगर अमेरिका में उन पर मुकदमा चला, तब उन्हें 175 साल कर सजा हो सकती है, ऐसा कहा जा रहा है।

असांजे पर 2011-12 में स्वीडन की एक महिला ने बलात्कार का आरोप भी लगाया था। इस तरह के तमाम आरोपों के बाद उन्होंने इक्वाडोर से शरण मांगी। वहां की सरकार से सहमति मिलने के बाद वे इक्वाडोर के लंदन स्थित दूतावास के एक छोटे से कमरे में अप्रैल-2019 तक रहे। फिर जब इक्वाडोर सरकार ने उन्हें दी गई शरण वापस ले ली,तब उन्हें ब्रिटेन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।इसके बाद से वे जेल में हैं। वहीं जेल में ही उन्होंने अभी एक महीने पहले अपनी प्रेमिका स्टेला मॉरिस से शादी भी की। स्टेला उनके बच्चों की मां और उनकी वकील भी हैं।

मेरी गलत नीतियों के कारण देश में भयावक आर्थिक संकट आया : गोटबाया राजपक्षे

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंकाई राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने स्वीकार किया है, कि उन्होंने गलतियां कीं, इसकारण देश दशकों के सबसे खराब आर्थिक संकट से घिर गया। राष्ट्रपति ने अपनी गलतियों को सुधारने का संकल्प भी किया। राजपक्षे ने 17 मंत्रियों की नई कैबिनेट का गठन किया, जिसमें उनके भा प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे, उनके परिवार की ओर से एकमात्र सदस्य हैं। राष्ट्रपति ने नई कैबिनेट के समक्ष अपनी गलती स्वीकारी।

राजपक्षे ने कहा, पिछले ढाई साल में हमने कई चुनौतियों का सामना किया है..कोरोना, ऋण का बोझ तथा कुछ गलतियां हमारी रहीं। उन्होंने कहा, उन्हें सुधारे जाने की आवश्यकता है। हमें उन्हें सुधारना होगा और आगे बढ़ना होगा। हमें लोगों का भरोसा पुनःजीतना होगा।''

राजपक्षे ने कहा कि उन्हें 2020 में रासायनिक उर्वरकों पर प्रतिबंध लगाने के फैसले पर अफसोस है, इसकारण देश में खाद्य उत्पादन में भारी गिरावट आई और देश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। उन्होंने कहा कि उनका फैसला ''एक गलती'' थी और अब सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। राजपक्षे ने 2020 के मध्य में जैविक उर्वरक के साथ हरित कृषि नीति लागू करने के लिए उर्वरकों के आयात के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था।

राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी सरकार को राहत के लिए बहुत पहले ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) जाना चाहिए था और आईएमएफ नहीं जाना गलती थी। आईएमएफ की वार्षिक बैठक इस सप्ताह वाशिंगटन में हो रही है। श्रीलंका के वित्त मंत्री अली सेबरी और अन्य अधिकारी इसके लिए रवाना हो गए हैं। श्रीलंका अप्रत्याशित आर्थिक संकट से जूझ रहा है, वहीं देश में विदेशी मुद्रा की भारी कमी हुई है, जिससे वह खाद्य पदार्थों और ईंधन के आयात के लिए भुगतान नहीं कर पा रहा है। श्रीलंका ने खाद्य पदार्थों और ईंधन खरीदने के लिए आपातकालीन ऋण को लेकर चीन और भारत का रुख किया है।

कोरोना, रुस-यूक्रेन जंग के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था

जिनेवा (ईएमएस)। वैश्विक अर्थव्यवस्था कोरोना के प्रभाव से पूरी तरह उबरी भी नहीं थी, कि यूक्रेन पर रूसी हमले ने इस पर फिर से आघात कर दिया। दो महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के अनुसार, आर्थिक उथल पुथल के दौर में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है। विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यूईओ) की रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।

भारत के बाद दूसरी तेज रफ्तार चीन की है। चीन 4.4 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ दूसरी सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। स्पेन का विकास दर अनुमान 4.8 प्रतिशत है, लेकिन अर्थव्यवस्था आकार में 14वें स्थान पर है, इसकारण चीन को दूसरा स्थान मिला है। चालू वित्त वर्ष में भारत के लिए आईएमएफ विकास अनुमान पिछले वर्ष हासिल की गई 8.9 प्रतिशत की वृद्धि से कम है। भारत के लिए आईएमएफ का विकास अनुमान इस महीने की शुरूआत में विश्व बैंक के 8 प्रतिशत के वृद्धि अनुमान से थोड़ा अधिक है।

विश्व बैंक की कई रिपोर्ट में भारत को सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में बताया गया है जबकि चीन 5 प्रतिशत के विकास अनुमान के साथ इसके पीछे है। इन वैश्विक संगठनों के विपरीत भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2022-2023 के लिये 7.2 प्रतिशत वृद्धि दर अनुमान बताया है, जो पहले के 7.8 प्रतिशत के अनुमान से कम है। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री ने भारत के लिए आईएमएफ के विकास अनुमान में कटौती के लिए यूक्रेन युद्ध के प्रभावों को जिम्मेदार ठहराया है।

उन्होंने कहा, भारत एक बड़ा तेल आयातक देश है, इसकारण युद्ध के परिणाम को अन्य देशों की तरह झेल रहा है। उन्होंने कहा, खाद्य पदार्थों और ऊर्जा की बढ़ती कीमतें भारत के व्यापार संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं। उन्होंने कहा, इससे भारत का निर्यात भी प्रभावित हो रहा है,क्योंकि बाकी दुनिया धीमी गति से बढ़ रही है। इसीलिए, हम विदेशी मांग से कुछ नरमी देख रहे हैं। उन्होंने कहा, यूक्रेन युद्ध से होने वाली आर्थिक क्षति चालू वित्त वर्ष 2022 में वैश्विक विकास दर अनुमान में कमी आने की मुख्य वजह होगी। डब्ल्यूईओ ने विश्व अर्थव्यवस्था के 3.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है, जो जनवरी में जारी अनुमान 4.4 प्रतिशत से 0.8 प्रतिशत कम है।

इस वर्ष अमेरिका के 3.7 प्रतिशत और यूरो क्षेत्र के 2.8 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। डब्ल्यूईओ ने कहा, युद्ध के कारण कमोडिटी की कीमतों में बढ़ोतरी से वित्त वर्ष 2022 के दौरान उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति का अनुमान 5.7 प्रतिशत और उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में इसके 8.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मुद्रास्फीति का संशोधित अनुमान जनवरी में जारी अनुमान से उन्नत अर्थव्यवस्था में 1.8 कम और उभरते बाजार तथा विकासशील अर्थव्यवस्था में 2.8 प्रतिशत अधिक है। आईएमएफ ने यह भी चेतावनी दी है कि यूक्रेन युद्ध की वजह से खाद्य पदार्थो और ऊर्जा की कीमतों में आयी तेजी के कारण सामाजिक तनाव की संभावना भी बढ़ गयी है। इसका असर भी आर्थिक परिदृश्य पर दिखेगा। भारत में चालू वित्त वर्ष खुदरा कीमतों में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष 5.5 प्रतिशत थी। अगले वित्त वर्ष इसके 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

पारंपरिक औषधि के क्षेत्र में अगले 25 वर्ष का अमृत काल भारत का स्वर्णिम काल साबित होगा: प्रधानमंत्री

- पीएम मोदी ने किया वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन-2022 का उद्घाटन

गांधीनगर (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह विश्वास व्यक्त किया है कि दुनियाभर में पारंपरिक औषधियों के नए युग की शुरुआत हो चुकी है, तब पारंपरिक औषधियों में नवाचार और निवेश के सामर्थ्य को और मजबूत बनाकर भारत इस क्षेत्र में नए स्टार्टअप के माध्यम से दुनिया के देशों को एक नई राह दिखाएगा। यह बात उन्होंने बुधवार को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में अन्य देशों के लिए श्रेष्ठ गंतव्य बन गया है। इस क्षेत्र में भी निवेश की अनेक संभावनाएं उभरकर सामने आईं हैं। आज जब भारत आजादी का अमृत वर्ष मना रहा है, तब अगले 25 वर्ष का अमृत काल दुनियाभर में पारंपरिक औषधियों के क्षेत्र में भारत का स्वर्णिम काल साबित होगा। मोदी ने कहा कि ''वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन के बारे में उस समय सोचा था, जब कोविड-19 महामारी का प्रकोप शुरू हुआ था। जब आयुष ने लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद की और आयुष उत्पादों की मांग में बढ़ोतरी देखी गई।'' कोविड महामारी का सामना करने के लिए भारतीय प्रयासों को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने आधुनिक फार्मा कंपनियों और वैक्सीन उत्पादकों द्वारा किए गए कार्य की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें उचित समय पर निवेश मिलने से ही इतनी तेजी से भारत में कोरोना की वैक्सीन विकसित की जा सकी। वरना कौन इस बात की कल्पना कर सकता था कि भारत इतनी जल्दी कोरोना की वैक्सीन विकसित लेगा।

आयुष क्षेत्र की प्रगति का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हम आयुष औषधियों, सप्लीमेंट सामग्री और सौंदर्य प्रसाधनों के उत्पादन में पहले ही अभूतपूर्व वृद्धि देख रहे हैं। वर्ष 2014 मे आयुष क्षेत्र 3 बिलियन डॉलर से भी कम का था, जो आज बढ़कर 18 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय ने पारंपरिक औषधियों के क्षेत्र में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। कुछ दिनों पहले ही ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद की ओर से विकसित इंक्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन किया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान युग भारत में स्टार्टअप के लिए सुनहरा युग है, जिससे हमें अनेक यूनिकॉर्न मिले हैं। वर्ष 2022 में ही भारत के 14 स्टार्टअप्स यूनिकॉर्न क्लब में जुड़ चुके हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जल्द ही आयुष के क्षेत्र में यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स उभरेंगे। उन्होंने कहा कि औषधीय वनस्पतियों का उत्पादन किसानों की आय और आजीविका बढ़ाने तथा उसमें रोजगार सृजन का दायरा बढ़ाने का बेहतर माध्यम बन सकता है। इससे जुड़े किसानों को बाजार व्यवस्था के साथ आसानी से जोड़ने की सुविधा उपलब्ध कराने पर केंद्र सरकार जोर दे रही है। इसके लिए सरकार आयुष ई-मार्केट प्लेस के आधुनिकीकरण और विस्तार पर भी काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आयुर्वेद वनस्पतियों का खजाना है और इस तरह से यह हमारा 'ग्रीन गोल्ड' है। उन्होंने संस्कृत सुभाषित 'अमंत्रम् अक्षरं नास्ति, नास्ति मूलमनौषधम्' का उल्लेख करते हुए कहा कि कोई भी अक्षर ऐसा नहीं है, जिससे कोई मंत्र न शुरू होता हो, कोई ऐसी जड़ नहीं है, जड़ी बूटी नहीं है, जिससे कोई औषधि न बनती हो। इस दृष्टि से हिमालय औषधियों का खजाना है। भारत में उपलब्ध आयुष उत्पादनों के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए गत वर्षों में केंद्र सरकार ने अनेक अभिनव प्रयास शुरू किए हैं। इसके अलावा, अन्य देशों के साथ आयुष औषधियों की पारस्परिक मान्यता पर जोर दिया गया है। इसके लिए पिछले कई वर्षों में विभिन्न देशों के साथ 50 से अधिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे आयुष विशेषज्ञ ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स के साथ मिलकर 'आईएसओ' के मानक विकसित कर रहे हैं। इससे आयुष उत्पादनों के लिए 150 से अधिक देशों में निर्यात के विशाल अवसर और वैश्विक बाजार व्यवस्था उपलब्ध होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने गत सप्ताह अपने नियमों में 'आयुष आहार' नाम की एक नई श्रेणी भी घोषित की है। इससे हर्बल न्यूट्रीशन्स सप्लिमेंट्स के उत्पादों को बड़े पैमाने पर सुविधा मिलेगी। इस तरह, भारत एक विशेष 'आयुष मार्क' भी बनाने जा रहा है। यह चिह्न भारत में निर्मित उच्चतम गुणवत्ता वाले आयुष उत्पादों पर लगाया जाएगा। यह आयुष चिह्न आधुनिक टेक्नोलॉजी के प्रावधानों से लैस होगा। इस मार्क से दुनियाभर के लोगों को गुणवत्तायुक्त आयुष उत्पाद का भरोसा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि देशभर में आयुष उत्पादनों के प्रमोशन, संशोधन और उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा आयुष पार्क का नेटवर्रक विकसित किया जाएगा। इस आयुष पार्क से भारत में आयुष उत्पादों को नई दिशा मिलेगी।

पारंपरिक औषधियों में निहित संभावनाओं का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने केरल के पर्यटन क्षेत्र के विकास में पारंपरिक औषधियों की भूमिका को रेखांकित किया और कहा कि यह संभावना भारत के हर कोने में है। उन्होंने कहा कि 'हील इन इंडिया' इस दशक का बहुत बड़ा ब्रांड बन सकता है। आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध आदि विद्यायों पर आधारित वेलनेस सेंटर बहुत लोकप्रिय बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि आयुष उपचार का लाभ लेने के लिए भारत आने को इच्छुक विदेशी नागरिकों के लिए केंद्र सरकार और एक पहल कर रही है। आज भारत मेडिकल टूरिज्म के लिए विश्व के अन्य देशों के लिए श्रेष्ठ गंतव्य बन रहा है। इसे ध्यान में रखतेहुए आने वाले समय में भारत में एक विशेष 'आयुष वीजा' कैटेगरी भी शुरू की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने केन्या के भूतपूर्व राष्ट्रपति रायला ओडिंगा की पुत्री रोजमेरी ओडिंगा का जिक्र करते हुए कहा कि आयुष उपचार के बाद रोजमेरी की आंखों की रोशनी वापस लाने में आयुर्वेदिक उपचार अहम साबित हुआ है। इस दौरान रोजमेरी ओडिंगा भी प्रेक्षकों के बीच उपस्थित थीं और प्रधानमंत्री ने जब उनका परिचय कराया तब उपस्थित हर किसी ने उनका तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के साथ अपने अनुभवों और ज्ञान को पूरी दुनिया के साथ साझा कर आगे बढ़ना चाहता है। उन्होंने विश्वास दिलाते हुए कहा कि हम दुनिया के दुःख दूर करने के लिए कृतसंकल्प हैं। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आयुर्वेद की समृद्धि के पीछे की एक मुख्य वजह उसका 'ओपन सोर्स मॉडल' रहा है। आज आईटी सेक्टर में ओपन सोर्स मूवमेंट का बोलबाला है। इसी तरह आयुर्वेद परंपरा भी ज्ञान के आदान-प्रदान से ही और मजबूत बनी है। उन्होंने कहा कि हमें भी अपने पूर्वजों से प्रेरणा लेकर ज्ञान को अन्य लोगों के साथ साझा कर ओपन सोर्स की भावना के साथ काम करना होगा। 'आजादी का अमृत महोत्सव' का उल्लेख करते हुए उन्होंने आशा व्यक्त की कि आगामी 25 वर्ष का अमृत काल दुनियाभर में पारंपरिक औषधियों के क्षेत्र में भारत का स्वर्णिम काल साबित होगा।

भारत को पारंपरिक औषधियों का हब बनाने में गुजरात निभाएगा अहम भूमिकाः मुख्यमंत्री

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात में आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन-2022 का आयोजन करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने वैश्विक नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। गुजरात की इस पुण्यशाली भूमि में सभी का स्वागत करते हुए पटेल ने कहा कि भारत में प्राचीन काल से ही प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियां प्रचलन में रही हैं। इन प्राचीन उपचार पद्धतियों को प्रधानमंत्री ने वैश्विक फलक पर स्थापित किया है। जिसके परिणामस्वरूप जामनगर आयुर्वेद विश्वविद्यालय में डब्ल्यूएचओ के ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना हुई है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सेंटर आने वाले समय में पारंपरिक औषधी के क्षेत्र में ग्लोबल नॉलेज का एपिसेंटर बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों के कारण ही योग-प्राणायाम को दुनियाभर में विशिष्ट पहचान मिली है। संयुक्त राष्ट्र के समक्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के उनके प्रस्ताव को सबसे अधिक देशों ने हर्ष के साथ स्वीकार किया था। योग-प्राणायाम के बाद भारत की प्राचीन उपचार पद्धतियों को भी प्रधानमंत्री ने वैश्विक फलक पर भलीभांति स्थापित किया है। पटेल ने कहा कि पूरी दुनिया में पारंपरिक औषधियों का पहला और एकमात्र ग्लोबल सेंटर गुजरात को मिला है, जो हम सभी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि प्रिवेंटिव मेडिसिन के महत्व को स्वीकारते हुए पूरी दुनिया ने योग, प्राणायाम और आयुर्वेद से प्रेरित स्वस्थ जीवन शैली को अपनाया है। योग, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और सिद्ध जैसी चिकित्सा पद्धतियां जीवन शैली पर आधारित हैं। ये न केवल मानव शरीर के बारे में बल्कि मानव मन का भी विचार करती हैं। इसके अंतर्गत मरीज के आसपास के वातावरण और उसके कर्मों को भी ध्यान में रखकर उपचार किया जाता है। चिकित्सा के इस समग्र दृष्टिकोण के प्रति अब दुनियाभर के लोगों का ध्यान आकृष्ट हुआ है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि दुनियाभर के लोग धीरे-धीरे वैकल्पिक उपचार के रूप में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को अपना रहे हैं, तब रोग का उपचार ही नहीं बल्कि रोग हो ही ना, ऐसी प्रिवेंटिव मेडिसिन की हिमायत भारत के प्राचीन शास्त्रों में की गई है। अब समय आ गया है कि रोग के उपचार से अधिक बल रोग के निवारण पर दिया जाए ताकि रोग हो ही ना। उन्होंने विश्वास जताया कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के लंबे अनुभव के जरिए भारत इस दिशा में पूरी दुनिया को नेतृत्व प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर आयोजित इस आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन में होने वाला विचार-मंथन दुनियाभर के लोगों की हेल्थकेयर का अमृत काल बनेगा और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को प्रेरक बल प्रदान करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत को पारंपरिक औषधियों का हब बनाने में गुजरात अहम भूमिका अदा करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के नागरिकों में योग, प्राकृतिक औषधी और पारंपरिक चिकित्सा के प्रति आदर और रुचि है। इतना ही नहीं, गुजरात सदियों से विशेषज्ञ वैद्यों की भूमि रहा है, तब यह समिट अहम साबित होगी। गुजरात के लोग दुनियाभर में अपनी उद्यमिता के लिए जाने जाते हैं। फार्मास्युटिकल क्षेत्र में गुजरात देश का अग्रणी राज्य है। गुजरात में उद्योग-प्रोत्साहक नीतियां, 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' यानी कारोबारी सुगमता, लॉजिस्टिक्स ईज और एक्सपोर्ट प्रिपेयर्डनेस जैसे पहलुओं के कारण भारत को पारंपरिक औषधियों का हब बनाने में गुजरात महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के ज्ञान का समग्र विश्व में प्रसार करने का स्वर्णिम अवसर है। उन्होंने कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम' के मूल्य में विश्वास करने वाली भारतीय संस्कृति ने सदैव यह कामना की है कि पूरी दुनिया का कल्याण हो तथा विश्व में प्रत्येक व्यक्ति निरामय जीवन जिये। पारंपरिक औषधि विद्या के विकास से विश्व को रोगमुक्त बनाने की दिशा में यह शिखर सम्मेलन अहम भूमिका निभाएगा। पटेल ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' का हमारा परम्परागत मंत्र हमारी प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से साकार करने में यह समिट उपकारी सिद्ध होगी

पीएम मोदी ने गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों को मेक इन इंडिया अभियान का केंद्र बनाने की मंशा व्यक्त की

- दाहोद में विराट आदिवासी जनसैलाब के बीच दाहोद को 22 हजार करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी

दाहोद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों को 'मेक इन इंडिया' का केंद्र बिंदु बनाने की मंशा व्यक्त करते हुए कहा कि अंबाजी से लेकर उमरगाम तक के गुजरात के आदिवासी बेल्ट को पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली और सिंचाई जैसी प्राथमिक सुविधाओं से संपन्न बनाने के बाद अब इस क्षेत्र को मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि दाहोद जैसे क्षेत्र में 20 हजार करोड़ रुपए के पूंजी निवेश से आदिवासी क्षेत्र में आर्थिक विकास का नया सूर्योदय होगा। पीएम मोदी ने कहा कि दाहोद मेक इन इंडिया का सबसे बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। गुलामी कालखंड के लोकोमोटिव स्टीम इंजन के कारखाने को अब 20 हजार करोड़ रुपए के खर्च से आधुनिक बनाया जा रहा है। यहां 9000 हॉर्स पावर वाले इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव रेल इंजन तैयार होंगे। दाहोद मेक इन इंडिया अभियान को गति देने के साथ दुनिया के देशों की इलेक्ट्रिक इंजन की मांग को पूरा करने में अहम भूमिका अदा करेगा। प्रधानमंत्री ने बुधवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन जरदोश की उपस्थिति में दाहोद में आयोजित विशाल आदिवासी महासम्मेलन में 1809.79 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए दाहोद जिले के आदिवासी बंधुओं को विकास की सौगात दी। प्रधानमंत्री ने पंचमहाल जिले में जन कल्याण और सुविधा के 159.71 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया।

प्रधानमंत्री ने भारतीय रेलवे द्वारा दाहोद वर्कशॉप में लगभग 20,000 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले 9,000 हॉर्स पावर के इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव इंजनकी उत्पादन इकाई का शिलान्यास किया। मेक इन इंडिया अभियान को साकार करने वाले इस प्रोजेक्ट से दाहोद और उसके आसपास के क्षेत्रों में हजारों नौकरियों के अवसर सृजित होंगे। प्रधानमंत्री ने दाहोद जिले में कुल 21,969.50 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से एक है जो 9,000 हॉर्स पावर के लोकोमोटिव रेल इंजन बनाता है। दाहोद में इस आधुनिक रेल इंजिन का निर्माण शुरू होने से यहां के निकवर्ती क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधि में वृद्धि होने के साथ ही इस पूंजीनिवेश से हजारों युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही निष्प्राण हो चुका दाहोद का परेल क्षेत्र भी अब गतिशील होगा। आदिवासियों के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र और राज्य की सरकार द्वारा कंधे से कंधा मिलाकर काम किए जाने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उमरगाम से लेकर अंबाजी तक के आदिवासी बेल्ट में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, सिंचाई, कृषि, आवास और गैस चूल्हे जैसी प्राथमिक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। जिसके परिणामस्वरूप अनेक आदिवासी परिवार आर्थिक प्रगति के मार्ग पर दौड़ने लगे हैं। हमने प्रगति-विकास की नई राह बनाई है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में 'नल से जल' योजना के सुदृढ़ कार्यान्वयन के बारे में बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि हमारी माताएं और बहनें पानी की कमी की समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित होती हैं। एक समय था जब पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ता था। लेकिन अब नल से जल मिशन के अंतर्गत घर-घर नल के जरिए पानी की आपूर्ति की जा रही है। इस योजना का दायरा बढ़ाया गया है। अब तक गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों के 5 लाख घरों में नल कनेक्शन दिया गया है। देश में पिछले ढाई वर्ष में 6 करोड़ से अधिक परिवारों को इस योजना का लाभ मिला है। पानी की बड़ी समस्या हल होने से हमें माताओं का आशीर्वाद मिल रहा है।

मोदी ने स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में कहा कि, ''जब मैं यहां मुख्यमंत्री था, तब मुझे आदिवासी क्षेत्रों से यह शिकायत मिलती थी कि जहरीले सांप के दंश के कारण लोगों की मौत हो रही है। तब हमने 108 एंबुलेंस सेवा में एंटी वेनम इंजेक्शन की सुविधा भी उपलब्ध कराई थी। अब आदिवासी क्षेत्रों में वेलनेस सेंटर भी खुल रहे हैं। दूरदराज के गांवों के लोगों को घर के निकट ही स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं।'' उन्होंने कहा कि आदिवासी युवा और युवती डॉक्टर व इंजीनियर बने उसके लिए मैं जब मुख्यमंत्री था तब आदिवासी बेल्ट के हरेक तहसील मुख्यालय में विज्ञान संकाय के विद्यालय शुरू कराए थे। आज आदिवासी जिलों में मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज प्रारंभ की गई हैं। आदिवासी छात्र पढ़-लिखकर डॉक्टर व इंजीनियर बन रहे हैं। इतना ही नहीं, ये छात्र सरकार की सहायता से विदेश में भी पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासी विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने की चिंता करते हुए देश में 750 एकलव्य मॉडल स्कूल शुरू किए गए हैं। सात दशक पूर्व देश में मौजूद केवल 18 आदिवासी संशोधन केंद्र के मुकाबले पिछले केवल सात वर्षों में 9 संसोधन केंद्र खोले गए हैं। मोदी ने कहा कि दक्षिण गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में सिकलसेल एनीमिया की गंभीर समस्या है। उसका सर्वाधिक प्रभाव युवाओं पर पड़ता है। इस बीमारी से लड़ने के लिए वैज्ञानिक संशोधन कर रहे हैं। राज्य सरकार भी उस दिशा में कार्य कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आदिवासी क्षेत्र के किसान अब प्राकृतिक खेती की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यहां के प्राकृतिक खेत उत्पाद बड़े शहरों में ज्यादा कीमत पर बिक रहे हैं। जिसके चलते किसानों की आय में इजाफा हुआ है। एक समय था जब दाहोद की फूल की खेती की काफी प्रशंसा होती थी। दाहोद के फूल मुंबई तक पहुंचते थे और वहां इन फूलों से पूजा-बंदगी होती थी। अब कृषक उसके स्थान पर प्राकृतिक खेती अपना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। सात दशक तक आजादी के वास्तविक सेनानियों की अवगणना की गई। ऐसे वीरों के इतिहास को भुलाने का प्रयास हुआ है। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में पुराने पंचमहाल के आदिवासी अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते-लड़ते खप गए थे। मानगढ़ हत्याकांड तो जलियांवाला बाग से भी अधिक भयानक था। अंग्रेजों ने गोविंद गुरु और उनके अनुयायियों की निर्मम हत्या की थी। ऐसे अनेक आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को उचित सम्मान इस सरकार ने दिया है। मानगढ़ में गोविंद गुरु का स्मारक, रांची में भगवान बिरसा मुंडा का संग्रहालय बनाया है, जो भावी पीढ़ी को इतिहास बोध देता रहेगा।

आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर शिक्षा जगत का आह्वान करते हुए श्री मोदी ने कहा कि, ऐसे अनेक गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा को प्रस्तुत करने वाले काव्य, नाटक और गीत लिखे जाएं और उनका मंचन किया जाए। ऐसा करने से भावी पीढ़ी को इन सेनानियों के योगदान की जानकारी मिलेगी। उन्होंने आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर पूर्वी पट्टी के आदिवासी जिलों में 75 बड़े तालाब बनाने का बीड़ा उठाने का अनुरोध किया ताकि मानसून में व्यर्थ बह जाने वाले पानी का संग्रहण किया जा सके। कोरोना महामारी और दूसरी ओर वैश्विक अशांति के बीच भी देश के मजबूती से आगे बढ़ने का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि कोरोना महामारी में मेरे गरीब, आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों के घर के चूल्हे जलते रहें इसके लिए सरकार की ओर से पिछले दो वर्ष से 80 करोड़ गरीब परिवारों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। यह गरीबों की पेट की आग बुझाने का यज्ञ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि व्यक्ति जहां रहता है, उस स्थान का प्रभाव उसके जीवन पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि ''मेरे प्रारंभिक सार्वजनिक जीवन के दौरान आदिवासी क्षेत्र में बहुत प्रवास किया है। आदिवासियों के बीच रहकर उनकी समस्याओं को जाना है। आदिवासियों का जीवन काफी निकट से देखा है। आदिवासी पानी जैसे पवित्र और कोंपल जैसे सौम्य होते हैं। इस समाज ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। मुझे उनका आशीर्वाद लगातार मिलता रहा है। मैं मुख्यमंत्री था तब भी इतनी विशाल सभा नहीं देखी थी। इस विराट जनसैलाब का दर्शनर करना मेरा सौभाग्य है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और सांसद सी.आर. पाटिल ने यह कमाल किया है।''

डब्ल्यूएचओ का सेंटर विश्वभर में पारंपरिक दवाईयों में गुजरात को अग्रसर बनाएगा : डॉ. टैड्रोस

गांधीनगर (ईएमएस) विश्व स्वास्थ्य संगठन (ँध्) के महानिदेशक डॉ. टैड्रोस ऐडरेनॉम ने गुजराती भाषा में अपने संबोधन की शुरूआत कर सभी लोगों का दिल जीत लिया। उन्होंने अपना संबोधन शुरू करने से पहले पूज्य गांधी बापू को याद किया और कहा कि मुझे महात्मा गांधी की भूमि पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी आभार प्रगट किया। वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार सम्मेलन-2022 में उपस्थित महानुभावों को संबोधित करते हुए महानिदेशक डॉ. टैड्रोस ऐडरेनॉम ने कहा कि विश्व एक परिवार है। ऐसे में हमारे समाज को विरासत में मिले स्वास्थ्य से संबंधित ज्ञान के माध्यम से सभी लोगों को लाभान्वित करना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन इसका पालन भी कर रहा है। डॉ. टैड्रोस ऐडरेनॉम ने कहा कि हमने पारंपरिक चिकित्सा, इसके कार्यान्वयन के साथे-साथ क्लीनिकल ट्रायल, वैज्ञानिक साक्ष्य और पद्धतियों पर ध्यान केंद्रित किया है। इस वर्ष यह उद्योग 23 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँच सकता है। पारंपरिक दवाओं से संबंधित क्षेत्र के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. टैड्रोस ने कहा कि इस क्षेत्र को आगे ले जाने के लिए मुख्य तीन बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता है, जिसमें प्रथम इनोवेशन इकोसिस्टम (नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र) को समर्थन देने के लिए लंबे अंतराल के व्यूहात्मक निवेश की आवश्यकता है। दूसरा उसका विकास मजबूत तरीके से किया जाना चाहिए तथा जो लोग इसमें सहभागी बने है उनको भी इसका लाभ मिलना चाहिए। डॉ. टैड्रोस ऐडरेनॉम ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन को 75 वर्ष होने जा रहा है। भारत भी अपनी आज़ादी का 75वां वर्ष मना रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में पारंपरिक दवाईयों को लेकर 'वार्षिक वैश्विक बैठक' का प्रस्ताव दिया था, जिसके लिए हम सहमत हुए हैं और आगामी वर्ष में इसकी प्रथम बैठक आयोजित होगी। डॉ. टैड्रोस ने जामनगर में ँध् के सेंटर के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जामनगर में ँध् का सेंटर विश्वभर में पारंपरिक दवाईयों में गुजरात को अग्रसर बनाएगा।

माननीय रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा माननीया रेल राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश द्वारा अहमदाबाद स्टेशन का निरीक्षण

पश्चिम रेलवे के दाहोद वर्कशॉप में माननीय प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शिरकत करने आए माननीय केंद्रीय रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एवं माननीया रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने अहमदाबाद स्टेशन के ऐतिहासिक धरोहर मीनार को संजोकर रखते हुए पुनर्विकास पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही ऱ्छ्र द्वारा रेलवे स्टेशन और ट्रॉलियों को बेहतरीन रूप देने के लिए बनाए गए प्रेजेंटेशन का मुआयना किया।

यह जानकारी देते हुए मंडल रेल प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली से दाहोद कार्यक्रम में शिरकत करने आए माननीय रेलमंत्री एवं माननीया रेल राज्यमंत्री द्वारा स्टेशन का निरीक्षण, यात्रियों से चर्चा तथा स्टेशन के पुनर्विकास के लिए रेल अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। एवं बताया की 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' के अंतर्गत भारत में स्वदेशी और विशिष्ट उत्पादों और क्राफ्ट की बिक्री को प्रोत्साहित किया जा सकता है।

इस अवसर पर माननीय रेलमंत्री, माननीया रेल राज्यमंत्री जी, अध्यक्ष रेलवे बोर्ड- श्री वी के त्रिपाठी, महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे- श्री अनिल कुमार लाहोटी, मुख्यालय से आये प्रधान मुख्य अधिकारीगण,मंडल रेल प्रबंधक अहमदाबाद श्री तरुण जैन सहित एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इसके उपरांत निरीक्षण यान से अहमदाबाद स्टेशन से दाहोद के लिए रवाना हुए।

जूनागढ़ में बूंदाबांदी बारिश होने पर मौसम में ठंडक

बूंदाबांदी डुबारिश होने पर आम, तिल, मग तथा प्याज की फसल को नुकसान होने की संभावना बढ़ी है

जूनागढ़, २० अप्रैल। वेस्टर्न डिस्टर्बन्स की असर से राज्य में पश्चिम से उत्तर-पश्चिम से ठंडी हवा चल रही है। जिसकी वजह से राज्य के कई क्षेत्रों में बादल छाया म्डुौसम रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, जबकि जूनागढ़ में सुबह से बादल छाया मौसम रहा है।

इसके साथ मालीयाहाटी तहसील के गडोदर सहित के ग्रामीण क्षेत्रों में बूंदाबांदी बारिश हुई। जूनागढ़ के साथ द्वारिका और गीरसोमनाथ में भी बादल छाया मौसम रहा है। जिसकी वजह से यह क्षेत्र के किसानों में फसल खराब होने की दहशत रही है। जूनागढ़ में सुबह से बादल छाया मौसम होने पर मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। इसके साथ मालीयाहाटी तहसील के गडोदर सहित के ग्रामीण क्षेत्रों में बूंदाबांदी बारिश हुई है। जिसकी वजह से किसानों में फसल खराब होने की संभावना रही है। यह क्षेत्र के आम, तिल, मग तथा प्याज की फसल को नुकसान होने की संभावना बढ़ी है। गीर सोमनाथ के मौसम में भी बदलाव आया है। अचानक मौसम बदलने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। बेमौसम बारिश से आम पकाते किसानों को भारी नुकसान हो सकता है। केसर आम पकाते किसानों की चिंता में वृद्धि हुई है। बेमौसम बारिश हुई तो भारी नुकसान होने की दहशत है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, अहमदाबाद सहित राज्य के अधिकतर क्षेत्रों के तापमान में एक से दो डिग्री की कमी हुई है। जिसकी वजह से भीषण गर्मी में मामूली कमी हुई है। आगामी २४ घंटे के दौरान राज्य के मौसम में बदलाव आने के साथ बूंदाबांदी बारिश से लेकर हल्की बारिश होने का पूर्वानुमान है। पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी २४ घंटे के दौरान बनासकांठा, आणंद, साबरकांठा, अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा, भरूच और सूरत तथा सौराष्ट्र के राजकोट, अमरेली, गीर सोमनाथ और जूनागढ़ जैसे क्षेत्रों में मौसम में बदलने का पूर्वानुमान है। कई क्षेत्रों में बंदाबांदी बारिश होगी। मौसम में बदलने पर राज्य के अधितर क्षेत्रों के अधिकतम तापमान में २ से ३ डिग्री की कमी होने की संभावना मौसम विभाग ने व्यक्त की है।

शराब कांड में शामिल पीएसआई सहित पांच सस्पेंड

सायला शराबकांड में और ५ पुलिस अधिकारी तथा कर्मचारियों के सस्प्रेंड होने पर कुल आंकड़ा ८ तक पहुंचा

राजकोट, २० अप्रैल। राजकोट शहर क्राइम ब्रांच के पीएसआई, तीन हेड कॉन्स्टेबल और एक पुलिस कॉन्स्टेबल को डीसीपी क्राइम पार्थराजसिंह गोहिल द्वारा सस्पेंड किया गया है। अब सस्पेन्सन तक की कार्रवाई किए जाने पर राजकोट शहर पुलिस में सन्नाटा छा गया हो यह प्रकार की परिस्थिति का निर्माण हुआ है। कुछ महीने पहले कमिश्न कांड में शामिल तत्कालीन क्राइम ब्रांच पीआई विरल गढवी, पीएसआई साखरा तथा राइटर योगीभाई सहित को सस्पेंड किया गया। अब और ५ पुलिस अधिकारी तथा कर्मचारियों के सस्पेंड होने पर कुल आंकड़ा ८ तक पहुंच गया है। कमिशनकांड में जिस अनुसार राजकोट शहर क्राइम ब्रांच की छवि बिगड़ गई।

इसके बाद राज्य सरकार से लेकर राजकोट शहर में रहते लोगों को भी लगता था कि, पुलिस अपनी छवि सुधारने के लिए काफी प्रयास करेगी। लेकिन यहां तो सुधारने के बदले बिगाड़ने के प्रयास किए जा रहे होने का और एक बार साबित हुआ है। राजकोट शहर क्राइम ब्रांच के पीएसआई भावना कडछा की टीम में रहे देवा धरजीया को जानकारी मिली थी कि, शराब से भरा कंटेनर राजकोट आ रहा है। स्टेट निगरानी सेल को दिए निवेदन में देवा धरजीया ने बताया है कि, जानकारी मिलने के साथ ही मै हमारी टीम के क्रिपालसिंह उपेन्द्रसिंह तथा सुभाषभाई को फोन द्वारा जानकारी दी थी। इसके बाद ११ बजे के करीब मैं तथा मेरा दोस्त सौरभ चंदाराणा (बुटलेगर) एक्सेस वाहन में सायला के पास स्थित आया गांव के पाटिया के पास पहुंचे थे।

जहां मेरा मुखबिर छासीया गांव का भाणा इसे कार में बिठाकर आया गांव तरफ जाने के लिए रवाना हुए थे। उस समय में क्रिपालसिंह, उपेन्द्र सिंह और सुभाषभाई तथा भाणा कार में थे। जबकि, मैं तथा सौरभ चंदाराणा (बुटलेगर) एक्सेस पर सवार थे। इसके बाद आया गांव में खुली जमीन में शराब से भरा कंटेनर पड़ा था। तथा ड्राइवर कंटेनर के केबिन में भाग में सोया हुआ था।

ली मेरिट का 48 करोड़ रुपये का आइपीओ 25 अप्रैल, 2022 को खुलेगा

अहमदाबाद, अप्रैल, 2022 : ली मेरिट एक्स्पोर्ट्स लिमिटेड सूती धागे, ग्रीज कपड़े और तैयार कपड़े जैसे कपड़ा उत्पादों का विनिर्माता तथा व्यापारी है। यह कंपनी तीन संगठनों के माध्यमों से कारोबार का संचालन करती है। ये तीनों संगठन क्रमशः धागों का निर्माण, धागों का व्यापार और ग्रीज एवं तैयार कपड़ों का व्यापार करते हैं। कंपनी सूती कपड़े, तौलिए और बेड शीट के कपड़ों, पॉलिएस्टर और विस्कोस सामग्री, परिधान के कपडे, रंगीन धागों आदि जैसे उत्पाओदों की व्यावपक श्रृंखला मुहैया करती है। इस कंपनी की दो अनुषंगी इकाइयाँ हैं जिनके नाम हैं, ली मेरिट फिलामेंट प्राइवेट लिमिटेड और ली मेरिट लक्ष्मी स्पिनिंग प्राइवेट लिमिटेड।

कंपनी ने माँग में अनुमानित वृद्धि को पूरा करने के लिए अपना परिचालन बढ़ाने का प्रस्ताव किया है। इस दिशा में यह सूती धागों की विनिर्माता कंपनियों के साथ दीर्घकालीन लीज अनुबंध करने के विकल्प का मूल्यां कन कर रही है। यह लीज के लिए उन कंपनियों को प्राथमिकता देगी जिनके सामने वित्तीय और क्षमता का संकट है तथा क्षमता निर्माण एवं संयंत्र आधुनिकीकरण के माध्यम से उन कंपनियों में निवेश करेगी। साथ ही इस प्रकार की कंपनियों को इन संयंत्रों के प्रबंधन के लिए विशेषज्ञता भी प्रदान करेगी। कंपनी की योजना आने वाले वर्षों में पॉलिएस्टर विनिर्माण संयंत्रों में भी कदम बढ़ाने की है।

इस कंपनी के प्रमोटर अभिषेक लाठ और उमाशंकर लाठ हैं। वृद्धिशील कार्यशील पूँजी की ज़रुरत और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए आंशिक वित्तीयन के लिए कंपनी एक आईपीओ लाने जा रही है। 10 रुपये प्रति शेयर के 64,00,000 इक्विटी शेयर के इस आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) में प्र्यत्येक शेयर का नियत मूल्य 75 रुपये होगा और इस माध्यम से कंपनी का लक्ष्य 48 करोड़ रुपये एकत्र करना है। यह निर्गम (इश्यू) 25 अप्रैल, 2022 को खुलेगा और 28 अप्रैल, 2022 को बंद हो जाएगा। न्यूनतम आवेदन 1600 शेयरों के लिए और फिर इसे गुणक में होगा। इस निर्गम में कंपनी की निर्गम-पश्चात चुकता इक्विटी पूँजी का 27.62ङ्ग शामिल है।

आवंटन के बाद शेयरों को एनएसई एसएमई इमर्ज प्लैटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा। इस निर्गम का लीड प्रबंधन फेडेक्स सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है और बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इसका रजिस्ट्रासर है।

अतुल एवं वलसाड स्टेशनों के बीच ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉ5क के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी

अहमदाबाद (ईएमएस) अतुल एवं वलसाड स्टेशनों के बीच सड़क ऊपरी पुल के गर्डरों को लॉन्च करने के लिए 21 अप्रैल, 2022 को ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉकों के कारण कुछ ट्रेनों को रेगुलेट अर्थात कुछ समय के लिए रोका जाएगा, शॉर्ट टर्मिनेट अर्थात अंतिम स्टेशन से पूर्व समाप्त किया जाएगा तथा आंशिक रूप से रद्द किया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

गुरुवार, 21 अप्रैल, 2022 को प्रभावित ट्रेनें:

1. ट्रेन नंबर 09085 बोरीवली-वलसाड मेमू को पारडी में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा और यह पारडी एवं वलसाड के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। 2. ट्रेन नंबर 22902 उदयपुर-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस को वलसाड में 1 घंटा 45 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा। 3. ट्रेन नंबर 20908 भुज-दादर सयाजी नगरी एक्सप्रेस को डूंगरी में 1 घंटा 25 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा। 4. ट्रेन नंबर 12926 अमृतसर-बांद्रा टर्मिनस पश्चिम एक्सप्रेस को बिलिमोरा में 55 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा। 5. ट्रेन नंबर 22954 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल गुजरात सुपरफास्ट एक्सप्रेस को अमलसड में 50 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा। 6. ट्रेन नंबर 09154 वलसाड-उमरगाम मेमू स्पेशल वलसाड से 1 घंटा 5 मिनट देरी से छूटेगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा करते समय कृपया इस परिवर्तन को ध्यामन में रखें।

पश्चिम रेलवे

विभिन्न निर्माण कार्य

उप मुख्य अभियंता (निर्माण)II, पश्चिम रेलवे, इंदौर रेलवे स्टेशन के सामने, पटेल ब्रिज के पास, इंदौर-(एमपी) 452001 द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :- ई-निविदा सूचना क्र. आईएनडी/डीआईएनएल/डीवाई. सीई/सी/II/102 (टनल) दि. 19.04.2022, दो लिफाफा प्रणाली. कार्य का नाम : पश्चिम रेलवे के दाहोद से इंदौर तक नई ब्रॉड गेज रेल लाइन के संबंध में मध्य प्रदेश राज्य में तिहि और पिथमपुर स्टेशन के बीच समस्त अन्य आनुषंगिक कार्य सहित 24.460 से 24.513 तथा 27.600 से 27.480 तक टनल पोर्टल्स के अप्रोचेस पर फॉर्मेशन में जमीनी कार्य तथा प्रोटेक्शन कार्य सहित किमी. 24.513 से किमी. 27.480, कुल लंबाई 2967 एम के बीच (भूमिगत टनल 2620.0 एम तथा कट एंड कवर टनल-347 एम) सिंगल लाइन ब्रॉड गेज टनल नं.-1 के निर्माण का शेष कार्य. कार्य की अनुमानित लागत : रु. 132,89,27,861.91. बयाना रकम : रु. 67,94,600.00, बोली जमा करने तथा खुलने की तिथि एवं समय : जमा करना : 17.05.2022 को 15.00 बजे तक, तकनीकी बोली खुलने की तिथि एवं समय : 17.05.2022 को 15.30 बजे. वेबसाइट विवरण तथा सूचना फलक स्थान जहां निविदा के विवरण देखे जा सकते हैं और कार्यालय का पता : www.ireps.gov.in तथा उपरोक्त कार्यालय पता. 0045

हमें लाइक करें facebook.com/westernRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95